केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

# मालवा हेराल्ड

**सुविचार**
हमारी कहानी का अहम हिस्सा तब होता है जब जड़े विकसित होती हैं, न की जब फूल खिलते हैं।

वर्ष : 16 अंक : 310 | उज्जैन, बुधवार 22 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

## न्यूज ब्रीफ

### विधानसभा चुनाव से पहले सपा का नया सियासी दांव, सीमा राजभर को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

**लखनऊ/ जीएनएस।** वर्ष 2027 के विधान सभा चुनाव की तैयारी में जुटी सपा छोटी-बड़ी जातियों में प्रभाव बढ़ाकर पीडीए के विस्तार की कोशिश में जुटी है। मंगलवार को सपा प्रमुख ने बलिया की रहने वाली सीमा राजभर उर्फ भावना को महिला सभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना दिया। वह सुभासपा की नेता रही हैं और सपा छात्रसभा में राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी निभा रही थीं। माना जा रहा है कि सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के प्रभाव को कम करने और राजभर समाज के वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए यह दांव चला गया है। इससे पहले निषादों को साधने के लिए सपा ने पूर्व सांसद फूलन देवी की बहन रुक्मिणी देवी निषाद को महिला सभा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। सपा प्रमुख और सुभासपा अध्यक्ष के बीच लंबे समय से वार-पलटवार चला आ रहा है। सुभासपा वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के साथ थी। बाद में ओमप्रकाश राजभर एनडीए गठबंधन में शामिल हो गए थे। ओमप्रकाश राजभर जब-तब यह दावा करते हैं कि वर्ष 2022 के चुनावों में सपा ने पूर्वांचल में जो बेहतर प्रदर्शन किया, वह उनके साथ होने की वजह से था। हालांकि सपा इसे कोरा दावा करार देती है, क्योंकि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में सुभासपा के साथ के बावजूद एनडीए को नुकसान उठाना पड़ा था। अब अगले विधान सभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी पूर्वांचल और राजभर समाज में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। सीमा राजभर का कद बढ़ाने को इससे ही जोड़कर देखा जा रहा है। सीमा राजभर पहले सुभासपा में बलिया में महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रह चुकी हैं। वर्ष 2022 के बाद उन्होंने राजभर परिवार पर महिलाओं के शोषण और परिवारवाद का आरोप लगाते हुए 40 कार्यकर्ताओं संग पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

### पत्नी को गर्म रॉड से जलाता था पति, दिल्ली पुलिस को सौंपा सबूत तो आरोपी ने दिया तीन तलाक

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** फर्श बाजार इलाके में एक नवविवाहिता के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर पति पानी गर्म करने वाली राड से शरीर पर दागता था। महिला के शरीर पर उसके साथ हुई हैवानियत के निशान हैं। जो उसने सुबूत के तौर पर पुलिस को दिखाएं है। आरोप है दहेज न मिलने पर युवक ने पत्नी को तीन तलाक दे दिया। 22 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आरोपित पति शराफत पर पत्नी से मारपीट का एक केस पहले से दर्ज है। गिरफ्तार हुआ था। जमानत पर बाहर आ गया। 22 वर्षीय पीड़िता अपने परिवार के साथ बिहारी कॉलोनी में रहती है। उनका मायका न्यू संजय अमर कॉलोनी में है। पीड़िता ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि गत 14 फरवरी को उनकी शादी शराफत से हुई थी। शादी के बाद दोनों बिहारी कालोनी में किराये पर कमरा लेकर रहने लगे। शराफत मजदूरी करता है। आरोप है कि शादी में दहेज न मिलने पर युवक ने पत्नी को यातनाएं देनी शुरू कर दीं। हैवानियत की हद पार करत हुए गर्म राड को शरीर पर जगह-जगह दागने लगा। आरोप है प्रताड़ना का विरोध करने पर 18 अप्रैल को पत्नी को तीन तलाक दे दिया। तलाक के बाद से ही आरोपित पति फरार है।

# प्रधानमंत्री श्री मोदी की विकास दृष्टि और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में अधोसंरचना विकास को नई गति

**तकनीक, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ आगे बढ़ रहा मध्यप्रदेश का लोक निर्माण विभाग**

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश में सड़क, पुल और सार्वजनिक अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास में अधोसंरचना को मजबूत आधार बताया है। उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में सड़क और कनेक्टिविटी विकास को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग ने लोक निर्माण से लोक कल्याण को अपना ध्येय वाक्य बनाकर विकास को सीधे आम जनता की सुविधा और आर्थिक प्रगति से जोड़ा है।

सड़क नेटवर्क को वैज्ञानिक आधार- लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के अनुसार लोक निर्माण विभाग ने सड़क नेटवर्क को अधिक वैज्ञानिक और व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके तहत सड़क श्रेणियों का पुनर्गठन और रोड नेटवर्क रैशनलाइजेशन की प्रक्रिया शुरू की गई है।

सटीक जानकारी के लिए विभाग ने लोक निर्माण सर्वेक्षण मोबाइल एप विकसित किया है। इसके माध्यम से प्रदेश में 71 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों, लगभग 3 हजार भवनों और 1400 से अधिक पुलों का तकनीक आधारित सर्वेक्षण किया जा चुका है। इस डिजिटल डेटा से विभाग को अधोसंरचना की वास्तविक स्थिति का स्पष्ट आकलन प्राप्त हुआ है। अब योजनाएँ अधिक सटीक तरीके से बनाई जा रही हैं।

रोड नेटवर्क मास्टर प्लान से बेहतर कनेक्टिविटी- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर लोक निर्माण विभाग ने समग्र रोड नेटवर्क मास्टर प्लान तैयार किया है। इस योजना के तहत शहरों के लिए बायपास मार्ग, औद्योगिक क्षेत्रों की बेहतर कनेक्टिविटी और जिला मुख्यालयों के बीच सड़क संपर्क मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

साथ ही, दूरी और यात्रा समय कम करने के लिए 6 नए ग्रीनफील्ड सड़क मार्ग भी चिन्हित किए गए हैं, जिससे प्रदेश के कई क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएँ खुलेंगी।

डिजिटल बजट से पारदर्शिता- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पारदर्शी शासन व्यवस्था के अनुरूप लोक निर्माण विभाग ने तकनीक आधारित बजट मॉड्यूल शुरू किया है। अब हर सड़क प्रस्ताव को डिजिटल नक्शे पर दर्ज किया जाता है, जिससे तुरंत पता चल जाता है कि वह सड़क पहले से बजट में है या किसी अन्य विभाग के अंतर्गत आती है।

इस व्यवस्था से योजनाओं में दोहराव समाप्त हुआ है और विकास कार्यों की प्राथमिकताएँ अधिक स्पष्ट हुई हैं।

लोक निर्माण विभाग द्वारा शुरू किया गया लोकपथ मोबाइल ऐप अब उन्नत होकर लोकपथ 2.0 बन चुका है। यह ऐप नागरिकों के लिए एक स्मार्ट ट्रैवल गाइड की तरह कार्य करता है।

इस ऐप में रूट प्लानर, टोल जानकारी, स्वच्छ सुविधा, अस्पताल और पेट्रोल पंप की जानकारी तथा दुर्घटना संभावित स्थानों की चेतावनी जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह एप ब्लैक स्पॉट से लगभग 500 मीटर पहले चेतावनी देकर सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देता है।

गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त निगरानी- निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। पिछले 13 महीनों में 875 निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर 25 ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया गया और कई मामलों में कार्रवाई की गई।

इसके साथ ही प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से योजना से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास- प्रदेश में अधोसंरचना विकास को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए भी कई पहलें की जा रही हैं। सड़क निर्माण के दौरान खुदाई से बने स्थानों को लोक कल्याण सरोवर के रूप में विकसित किया जा रहा है।

अब तक 506 सरोवर बनाए जा चुके हैं और 600 नए सरोवर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा सड़क किनारे भूजल रिचार्ज, फ्लाईओवर पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और ग्रीन बिल्डिंग निर्माण जैसे कदम भी उठाए जा रहे हैं।

प्रदेश में सड़क निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 77 हजार किलोमीटर से अधिक सड़क नेटवर्क है।

## बेंगलुरु में सनसनीखेज वारदातः वेस्टर्न स्टाइल में प्रपोज करना पड़ा भारी, युवती ने बॉयफ्रेंड को जिंदा जलाया

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां %वेस्टर्न स्टाइल% में किया गया प्रपोजल खौफनाक वारदात में बदल गया। एक युवती ने कथित तौर पर अपने बॉयफ्रेंड को बांधकर जिंदा जला दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी युवती ने पहले अपने बॉयफ्रेंड को प्रपोजल के नाम पर बुलाया। इसके बाद किसी विवाद के चलते मामला हिंसक हो गया। आरोप है कि युवती ने युवक को बांध दिया और फिर उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी।

मंगलवार को बेंगलुरु में एक टेलीकॉम स्टोर में काम करने वाली महिला कर्मचारी ने अपने बॉयफ्रेंड को घर बुलाया, उसकी आंखों पर पट्टी बांधी और वेस्टर्न स्टाइल में प्रपोज करने के बहाने से उसे कुर्सी से बांध दिया और फिर उसे आग लगा दी।

पुलिस ने बताया कि युवती उस युवक से इसलिए नाराज थी क्योंकि वह उसे नजरअंदाज कर रहा था। महिला ने इस पूरी घटना को कैमरे में कैद किया और उसे मरते हुए देखती रही।

अधिकारियों ने बताया कि प्रेरणा और किरण, दोनों 27 साल के थे और एक ही स्टोर में साथ काम करते थे। वे एक साल से ज्यादा समय से रिलेशनशिप में थे। हालांकि, हाल के दिनों में प्रेरणा को लगने लगा था कि किरण उसे उतना ध्यान नहीं दे रहा है जितना उसे मिलना चाहिए और वह उससे शादी भी नहीं करेगा।

## ऑपरेशन नुमखोरः 15000 से ज्यादा लग्जरी गाड़ियां बिना टैक्स चुकाए भारत में घुसी, फिल्मी सितारों से भी कनेक्शन

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** ऑपरेशन नुमखोर इस समय चर्चे में है। पहली बार सुनने में यह शब्द भले ही अजीब लग सकता है लेकिन बता ये गाड़ियों की तस्करी से जुड़ा ऑपरेशन है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के तहत चलाए गए ऑपरेशन नुमखोर ने एक बड़े टैक्स चोरी रैकेट का पर्दाफाश किया है। इसके तहत भूटान से 15,849 लग्जरी गाड़ियों को बिना कस्टम ड्यूटी और टैक्स चुकाए भारत में दाखिल किया गया। नुमखोर भूटानी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ वाहन होता है।

क्या है ऑपरेशन नुमखोर- यह ऑपरेशन फिल्मी दुनिया तक पहुंच गया है, जहां कई मलयालम सितारों के नाम इससे जुड़ रहे हैं। जांच की शुरुआत केरलम से हुई, जहां 35-40 लग्जरी कारों की शुरूआती जांच ने पूरे मामले को सामने लाया। नेशनल व्हीकल रजिस्ट्री के डिजिटल ऑडिट में फर्जी दस्तावेजों और नकली डिस्पोजल सर्टिफिकेट का खुलासा हुआ। गाड़ियों को पुरानी, सेना से बेची गई या दूतावास/मंत्रालय से जुड़ी बताकर फर्जी कागजात तैयार किए गए। इनमें हाई-क्वालिटी नकली डॉक्यूमेंट्स का इस्तेमाल हुआ, जो असली जैसे लगते थे।

रैकेट का मोडस ऑपरेंडी - इस रैकेट का मोडस ऑपरेंडी काफी चालाक था। भूटान से सटी पूर्वोत्तर सीमा के रास्ते लग्जरी कारें भारत लाई गईं।

## महिला आरक्षण पर काउंटर अटैक; 26 शहरों में कांग्रेस ने उतारे 26 योद्धा, असली मकसद बताया

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने महिला आरक्षण बिल को लेकर अपना देशव्यापी अभियान और तेज कर दिया है। मंगलवार को कांग्रेस की महिला नेताओं ने देश के 26 प्रमुख शहरों में एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कीं। इन प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेताओं ने संसद के हाल ही में समाप्त हुए विशेष सत्र के असली मकसद को जनता के सामने रखा। कांग्रेस महिला नेताओं ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार महिलाओं को आरक्षण देने के नाम पर देश को गुमराह कर रही है। उनका कहना है कि सरकार का असली उद्देश्य महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं, बल्कि परिसीमन के जरिए सत्ता पर काबिज रहना है।

नेताओं ने दावा किया कि महिला आरक्षण बिल की आड़ में सरकार परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहती है, जिससे लोकसभा और विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में सीटों का बड़ा पुनर्गठन हो सकता है।

## उत्तर भारत में लू का प्रचंड प्रहारः दिल्ली-यूपी-बिहार के लिए अलर्ट, राजस्थान में आसमान से बरसेगी आग

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई हिस्सों में लू की चेतावनी जारी की है। दिल्ली में मंगलवार को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया।

IMD के वैज्ञानिक अखिल श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली में आज 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज होने की उम्मीद है। शहर के कुछ हिस्सों के लिए 22-24 अप्रैल तक अलग-अलग जगहों पर लू की चेतावनी जारी की गई है। हरियाणा में लू और गर्म रातों का अलर्ट जारी किया गया है।

आने वाले दिनों में उत्तरी और मध्य भारत के बड़े हिस्सों में लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है। साथ ही अन्य क्षेत्रों में मौसम से जुड़े गंभीर अलर्ट भी जारी किए गए हैं। IMD के मुताबिक, पंजाब और हरियाणा में अगले चार दिनों तक, पूर्वी यूपी में अगले पांच दिनों तक और कल से पश्चिमी यूपी में लू की स्थिति बने रहने की संभालना है। मध्य भारत में, मध्य प्रदेश में कल से लू की स्थिति देखी जा सकती है। छत्तीसगढ़ में भी अगले तीन दिनों तक ऐसी ही स्थिति रहने की संभावना है।

बिहार, गंगा से सटे पश्चिम बंगाल और पूर्वी बंगाल में भी अगले दो दिनों तक लू की स्थिति रहने की संभावना है। उन्होने बताया कि दक्षिण भारत के तटीय इलाकों में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की उम्मीद है, जबकि, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय के लिए भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया गया है। जिसको देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

## तमिलनाडु चुनावः परिसीमन के मुद्दे ने बढ़ाई सियासी गर्मी, चुनावी मुकाबला हुआ दिलचस्प

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** तमिलनाडु में आगामी चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल तेज हो गया है और इस बार परिसीमन का मुद्दा चुनावी बहस के केंद्र में आ गया है। इसने पहले से ही हाई-स्टेक माने जा रहे चुनावी मुकाबले को और अधिक जटिल और दिलचस्प बना दिया है।

दरअसल, परिसीमन की प्रक्रिया के तहत लोकसभा और विधानसभा सीटों की सीमाओं और संख्या का पुनर्निर्धारण किया जाता है। यह प्रक्रिया जनसंख्या के आधार पर होती है, जिससे विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधित्व में बदलाव संभव होता है। दक्षिण भारत के कई राज्यों, खासकर तमिलनाडु में, इसको लेकर चिंता जताई जा रही है। परिसीमन बना चुनावी मुद्दा

राज्य के राजनीतिक दलों का कहना है कि अगर भविष्य में परिसीमन, जनसंख्या के वर्तमान आंकड़ों के आधार पर किया गया तो दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो सकता है। तमिलनाडु जैसे राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के मामले में बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि कुछ अन्य राज्यों की आबादी तेजी से बढ़ी है। ऐसे में सीटों का संतुलन बदल सकता है।

डीएमके और उसके सहयोगी दल इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं। उनका आरोप है कि परिसीमन के जरिए दक्षिण भारत की राजनीतिक ताकत को कमजोर किया जा सकता है।

केंद्र सरकार और बीजेपी का कहना है कि अभी इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और सभी राज्यों के हितों को ध्यान में रखा जाएगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि परिसीमन का मुद्दा सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं रह गया है, बल्कि यह अब क्षेत्रीय अस्मिता और राजनीतिक अधिकारों से जुड़ गया है। यही कारण है कि यह मुद्दा मतदाताओं के बीच भी तेजी से चर्चा में आ रहा है। इसके अलावा, तमिलनाडु में पारंपरिक तौर पर डीएमके और एआईएडीएमके के बीच सीधी टक्कर होती रही है, लेकिन इस बार बीजेपी भी अपनी मौजूदगी मजबूत करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में परिसीमन का मुद्दा चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बन गया है।

## ये तो संसदीय परंपराओं का घोर उल्लंघन, PM मोदी के खिलाफ लें ऐक्शन; अब स्पीकर के पास क्यों पहुंची कांग्रेस? क्या मांग

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने मंगलवार (21 अप्रैल) को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया और आरोप लगाया कि सदन में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के पारित न होने के बाद उन्होंने राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्षी दलों पर आक्षेप लगाया, जो सदन के विशेषाधिकार का हनन और अवमानना का गंभीर मामला है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 222 के तहत बिरला को दिए नोटिस में यह आग्रह भी किया कि संसद की गरिमा और इसके सदस्यों को दी गई संवैधानिक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाया जाए, ताकि इस तरह के उल्लंघन को न दोहराया जा सके।

लोकसभा सदस्य वेणुगोपाल ने दावा किया कि बीते 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित नहीं होने के बाद 18 अप्रैल, 2026 को प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित किया था और 29 मिनट के अपने संबोधन में उन्होंने विधेयक को रोकने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की और विपक्ष के सदस्यों के मतदान के तरीके का प्रत्यक्ष रूप से उल्लेख किया और इसमें निहित उद्देश्यों को जोड़ दिया।

उनके मुताबिक, यह एक स्थापित परंपरा है कि संसद सदस्यों द्वारा संसद में दिए गए भाषणों के संबंध में सदन के बाहर उन पर बात करना, आक्षेप लगाना, उद्देश्यों को लेकर दोषारोपण करना विशेषाधिकार का घोर उल्लंघन और सदन की अवमानना है। कांग्रेस नेता ने कहा, मौजूदा मामले में यानी 16 और 17 अप्रैल, 2026 को विपक्षी दलों के संसद सदस्य अपनी वास्तविक चिंताएं व्यक्त कर रहे थे। इसके तहत उन्होंने उक्त संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ संसद में अपना वोट डाला।

वेणुगोपाल ने कहा, सबसे पहले देश के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय चिंता के एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर राष्ट्र को संबोधित करते हैं। इसलिए, प्रधानमंत्री के ऐसे संबोधन बहुत कम होते हैं। सरकार द्वारा संसद में अपेक्षित बहुमत न जुटा पाने और विपक्षी दलों की आलोचना करने पर प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को संबोधित करना अभूतपूर्व है जो अनैतिक और सत्ता का खुला दुरुपयोग है। देश के प्रधानमंत्री का इस तरह का बयान देना सदन के विशेषाधिकार का हनन और अवमानना का गंभीर मामला है।

उन्होंने कहा, मैं विशेषाधिकार हनन का यह नोटिस आपको (माननीय अध्यक्ष को) सौंपता हूं, ताकि इस गंभीर घटना और जानबूझकर किए गए विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का संज्ञान लिया जा सके तथा मामले को विस्तृत जांच के लिए लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को भेजा जा सके ताकि प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार कार्यवाही शुरू की जा सके।

वेणुगोपाल ने कहा कि इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जाना चाहिए, क्योंकि एक निर्वाचित प्रतिनिधि पर अपना कर्तव्य निभाने को लेकर सवाल उठाया जाना न केवल एक व्यक्तिगत हमला है, बल्कि संसद के अधिकार और भारत के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है।

# ई-रिक्शा संचालन में बड़ा बदलाव: इंदौर में कलर कोड सेक्टर व्यवस्था की शुरुआत

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए इंदौर पुलिस ने ई-रिक्शा संचालन में बड़ा बदलाव करते हुए कलर कोड सेक्टर व्यवस्था का शुभारंभ किया है। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह की उपस्थिति में शुरू की गई इस नई प्रणाली का उद्देश्य शहर में ई-रिक्शा संचालन को नियंत्रित, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी, यातायात विभाग के अधिकारी, बैटरी ई-रिक्शा संघ के अध्यक्ष श्री राजेश बिडकर और बड़ी संख्या में ई-रिक्शा प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नई व्यवस्था के तहत शहर को यातायात के आधार पर चार जोन में विभाजित किया गया है और प्रत्येक जोन के लिए अलग-अलग रंग निर्धारित किए गए हैं। जोन 1 के लिए नीला, जोन 2 के लिए पीला, जोन 3 के लिए लाल और जोन 4 के लिए सफेद रंग तय किया गया है, जिससे ई-रिक्शा की पहचान आसानी से हो सके और उनके संचालन को नियंत्रित किया जा सके।

सेक्टर आवंटन की प्रक्रिया पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर की जा रही है। साथ ही यदि किसी व्यक्ति के पास एक से अधिक ई-रिक्शा हैं, तो उन्हें अलग-अलग जोनों में आवंटित किया जाएगा, ताकि किसी एक क्षेत्र में अधिक दबाव न बने। पंजीयन के लिए एक निर्धारित प्रोफार्मा भी तय किया गया है, जिसके माध्यम से सभी ई-रिक्शा चालकों का पंजीकरण किया जा रहा है।

अब तक 6000 से अधिक ई-रिक्शा चालकों का सेक्टर रजिस्ट्रेशन पूरा किया जा चुका है। इस व्यवस्था के लागू होने से शहर में यातायात संचालन और अधिक सुचारू होने की उम्मीद है। यातायात पुलिस ने सभी ई-रिक्शा चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें और शहर में सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात बनाए रखने में सहयोग करें।

## जनसुनवाई में 60 आवेदनों पर आयुक्त क्षितिज सिंघल ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर निगम मुख्यालय में आज आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल द्वारा जनसुनवाई आयोजित की गई, जिसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे आयुक्त के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 60 आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें गंभीरता से सुनते हुए आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में निगम के अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। नागरिकों द्वारा राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य, रिमूवल, सीवरेज और जनकार्य विभाग से जुड़ी समस्याएं प्रस्तुत की गईं। आयुक्त श्री सिंघल ने सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को मौके पर ही प्रेषित करते हुए नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करते हुए निर्धारित समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

## महिला आरक्षण पर भाजपा का हमला: 'नारी शक्ति वंदन' के विरोध को बताया महिला विरोधी मानसिकता

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। भाजपा कार्यालय इंदौर में आयोजित पत्रकार वार्ता में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नंदिता पाठक और नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने विपक्ष पर महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने का आरोप लगाया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि नरेंद्र मोदी देश की आधी आबादी को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के उद्देश्य से 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम लेकर आए, लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इसका विरोध कर महिलाओं के अधिकारों का दमन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को राजनीति के तराजू पर तौलते हुए इसे पारित नहीं होने दिया, जिससे महिलाओं को उनका अधिकार मिलने में बाधा उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि महिलाएं पिछले कई दशकों से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं और अब समय आ गया है कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में उचित भागीदारी मिले। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है और मध्यप्रदेश में कई जिलों में महिला कलेक्टर और एसपी इसकी मिसाल हैं।

## 12 घंटे में कमाल: इंदौर पुलिस ने गुमशुदा मासूम और बुजुर्ग को सकुशल खोजा, परिजनों ने जताया आभार

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के थाना पलासिया ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए महज 12 घंटे के भीतर एक 4 वर्षीय गुमशुदा बालक और उसके बुजुर्ग दादा को सुरक्षित खोज निकाला। दोनों के सकुशल मिलने पर परिजनों और क्षेत्रीय नागरिकों ने पुलिस की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार, 20 अप्रैल को पीडब्ल्यूडी कॉलोनी से एक बुजुर्ग और उनका छोटा पोता अचानक लापता हो गए थे। परिजनों ने बताया कि बुजुर्ग की याददाश्त कमजोर है और वे बच्चे को साथ लेकर घर से निकले थे, लेकिन रास्ता भटक गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पलासिया में तत्काल प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह रघुवंशी ने तुरंत 8 टीमों का गठन किया। इन टीमों को अलग-अलग क्षेत्रों में होटल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मंदिर, धर्मशाला और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर तलाश के लिए लगाया गया। साथ ही सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और बच्चे की जानकारी सोशल मीडिया पर भी प्रसारित की गई। लगातार सर्चिंग और तकनीकी विश्लेषण के बाद पुलिस टीम को देर रात करीब 2 बजे दोनों के बारे में सूचना मिली। टीम ने मौके पर पहुंचकर बालक और उसके दादा को सुरक्षित बरामद किया, जो घर से लगभग 3 किलोमीटर दूर मिले। आवश्यक कार्रवाई के बाद बच्चे को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। इस सफल कार्रवाई में पुलिस की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यापक सराहना हो रही है। परिजनों ने भावुक होकर पुलिस टीम को धन्यवाद दिया और कहा कि समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।

## इंदौर में 25 अप्रैल को विशेष आधार सेवा अभियान, सुबह 8 से शाम 6 बजे तक मिलेगी सुविधा

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल डाक सेवा कार्यालय इंदौर स्थित आधार सेवा केंद्र पर एक दिवसीय विशेष अभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 25 अप्रैल 2026 (शनिवार) को सुबह 08ः00 बजे से शाम 06ः00 बजे तक संचालित होगा। इस विशेष अभियान के तहत नागरिक आधार नामांकन एवं अपडेशन की सुविधा का लाभ ले सकेंगे। इसके लिए रेलवे स्टेशन परिसर के प्लेटफार्म नंबर 01 पर स्थित आधार सेवा केंद्र पर पहुंचकर अपनी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

## सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर सख्त आयुक्त, कई दरोगाओं व उपयंत्रियों का वेतन काटने के निर्देश

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने सख्त रुख अपनाते हुए विभिन्न झोन एवं वार्डों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर कचरा और गंदगी पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों पर नाराजगी जताई और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान झोन क्रमांक 03, 05, 06, 07, 09, 17, 19 एवं 22 के कई क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था में लापरवाही सामने आई। झोन 03 के वार्ड 56 में हुकुमचंद मिल के आगे शिवाजी मार्केट स्थित यूरिनल के पास कचरे के ढेर मिले। झोन 05 के वार्ड 23 में परदेशीपुरा स्थित वाइन शॉप के आसपास और खाली प्लॉट में गंदगी पाई गई, जबकि झोन 06 के वार्ड 24 में भी हुकुमचंद मिल क्षेत्र में कचरा देखा गया।

इसी तरह झोन 07 के वार्ड 34 अंतर्गत स्कीम नंबर 136 निरंजनपुर मंडी क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट और खाली प्लॉट में कचरा मिला। झोन 09 के नेहरू पार्क स्थित धेनु मार्केट में कचरे की बोरियां पाई गईं। झोन 17 के वार्ड 21 में सुपर कॉरिडोर से एमआर-10 मार्ग पर मेट्रो स्टेशन के पास गलियों में गंदगी नजर आई। झोन 19 के वार्ड 53 में रेसिडेंसी क्लब के सामने प्राणी संग्रहालय की बाउंड्रीवाल के पास तथा झोन 22 के वार्ड 36 में एडवांस एकेडमी के पास खाली प्लॉट पर कचरा पाया गया।

इन सभी स्थानों पर लापरवाही पाए जाने पर आयुक्त ने संबंधित झोन और वार्ड के दरोगाओं का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वच्छता के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों को पूरी तरह जवाबदेह रहना होगा।

आयुक्त श्री सिंघल ने सभी अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन प्रातःकाल अपने-अपने क्षेत्रों में फील्ड पर उपस्थित रहें और निगम मुख्यालय के कंट्रोल रूम में अपनी लोकेशन साझा करें। इस आदेश के पालन में लापरवाही पाए जाने पर झोन 09 और 19 के उपयंत्री अमजद खान, नितेश बोयत और फैजल खान द्वारा समय पर लोकेशन उपलब्ध नहीं कराई गई, जिस पर उनके खिलाफ भी एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश जारी किए गए।

## ट्रैफिक प्रहरी बने शहर के जिम्मेदार नागरिक, पुलिस कमिश्नर ने किया सम्मानित

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ट्रैफिक प्रहरी अभियान में अब नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। इस पहल के तहत बेहतर कार्य करने वाले ट्रैफिक प्रहरियों को पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा सम्मानित किया गया।

पुलिस आयुक्त के निर्देशन में संचालित इस अभियान का उद्देश्य आमजन को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक करना और उन्हें यातायात प्रबंधन में सहभागी बनाना है। इसी क्रम में आयोजित कार्यक्रम में आईएमई इंस्टिट्यूट की सुश्री अंजली जैन और 20 विद्यार्थियों के साथ-साथ श्री राजेन्द्र अग्रवाल और हितेश गोयल को उनके सराहनीय योगदान के लिए शील्ड, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इस अभियान से अब तक लगभग 3400 जिम्मेदार नागरिक जुड़ चुके हैं, जो अपनी सुविधानुसार शहर के विभिन्न चौराहों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने में पुलिस का सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक करना और उन्हें शहर की व्यवस्था में भागीदार बनाना है।

उन्होंने आम नागरिकों से भी इस अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए बताया कि इच्छुक लोग क्यूआर कोड स्कैन कर गूगल फॉर्म भरकर अपने समय और स्थान के अनुसार ट्रैफिक प्रहरी के रूप में कार्य कर सकते हैं। ट्रैफिक प्रहरी के माध्यम से नागरिक न केवल यातायात पुलिस की मदद कर रहे हैं, बल्कि समाज में नियमों के पालन की जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

## जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर सख्त: 68 आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आयोजित जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने प्रत्येक आवेदक की शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कमिश्नर कार्यालय के सभागार में आयोजित इस जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।

जनसुनवाई के दौरान कुल 68 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश शिकायतें पारिवारिक विवाद, आपसी मतभेद, पैसों के लेन-देन, फ्रॉड, सुनवाई न होने, प्लॉट और जमीन से जुड़ी धोखाधड़ी तथा महिला अपराध से संबंधित थीं। पुलिस कमिश्नर ने हर आवेदक से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को विस्तार से समझा और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और अधिकारों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हर शिकायत का निष्पक्ष व त्वरित समाधान किया जाएगा। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह सहित सभी जोन के अधिकारी भी उपस्थित रहे और पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई।

## बेहतर पुलिसिंग पर सम्मान: इंदौर में एसीपी मल्हारगंज व थाना चंदन नगर रहे अव्वल

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की नई मूल्यांकन प्रणाली के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर उन्हें पुरस्कृत किया और भविष्य में भी इसी तरह बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

शहर में अपराध नियंत्रण और प्रभावी पुलिसिंग को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से जनवरी माह से शुरू की गई इस मानकीकृत मूल्यांकन प्रणाली के तहत पुलिस थानों और एसीपी कार्यालयों के कार्यों का विभिन्न मापदंडों पर मासिक मूल्यांकन किया जा रहा है। इसी क्रम में मार्च माह के मूल्यांकन में सभी 12 एसीपी कार्यालयों में एसीपी मल्हारगंज प्रथम स्थान पर रहे, जबकि शहर के सभी थानों में थाना चंदन नगर ने सर्वोच्च प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया।

इस उपलब्धि पर एसीपी मल्हारगंज श्री विवेक सिंह चौहान और थाना प्रभारी चंदन नगर श्री तिलक करोले सहित उनकी टीम को सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह मूल्यांकन प्रणाली पुलिसिंग को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

## उत्कृष्ट पुलिसिंग पर सम्मान: एमडी ड्रग्स जप्ती सहित सराहनीय कार्य करने वाले 23 पुलिसकर्मी पुरस्कृत

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में बेहतर पुलिसिंग को बढ़ावा देने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के तहत आज 23 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने पलासिया स्थित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सभी को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर उनके कार्यों की सराहना की।

इस दौरान अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स की जप्ती कर आरोपियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मियों सहित विभिन्न मामलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस अवसर पर उपस्थित रहकर पुरस्कृत पुलिसकर्मियों का उत्साह बढ़ाया।

सम्मानित किए गए पुलिसकर्मियों में थाना राजेंद्र नगर की टीम शामिल रही, जिन्होंने अंधे कत्ल का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। थाना खजराना और चंदन नगर की टीमों को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स और गांजा जप्त करने के लिए सराहा गया। वहीं थाना संयोगितागंज के पुलिसकर्मियों ने वाहन चोरी के मामले का पर्दाफाश करते हुए 36 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं।

इसके अलावा यातायात पुलिस के कर्मचारियों को विभिन्न चौराहों पर बेहतर यातायात प्रबंधन और चेकिंग के दौरान अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई करने के लिए सम्मानित किया गया। अपराध शाखा की टीम को भी एमडी ड्रग्स तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार करने पर पुरस्कृत किया गया।

पुलिस कमिश्नर ने इस अवसर पर कहा कि ऐसे पुरस्कार कार्यक्रमों का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे इसी तरह समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते रहें, जिससे शहर में कानून व्यवस्था और अधिक मजबूत हो सके।

## इंदौर में ऐसा कोई नेता नहीं, जिसके लिए ट्रैफिक रोका जाए, प्रभारी डीसीपी ट्रैफिक के बयान पर हाईकोर्ट कोर्ट ने कहा- बदहाल ट्रैफिक से हम भी परेशान

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जीरो ट्रैफिक प्रोटोकॉल नाम की कोई चीज होती ही नहीं है। शहर में कोई भी नेता ऐसा नहीं जिसके लिए ट्रैफिक रोका जाए। यातायात विभाग वीआईपी मूवमेंट के वक्त कुछ समय के लिए ट्रैफिक जरूर रोकता है, लेकिन इसे तुरंत बहाल कर दिया जाता है। प्रभारी डीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार त्रिपाठी ने यह बात शहर के बदहाल यातायात को लेकर हाई कोर्ट में चल रही याचिकाओं की सुनवाई के दौरान कही।

यातायात से हम खुद परेशान हैं- इस पर कोर्ट ने कहा कि बदहाल यातायात से हम खुद परेशान हैं। यू-टर्न लेते समय डर लगता है कि कहीं दोपहिया वाहन न टकरा जाए। प्रमुख सचिव (गृह) को शहर में यातायात पुलिसकर्मियों के रिक्त 237 पदों पर नियुक्ति के बारे में विचार करना चाहिए। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया ने कोर्ट को बताया कि आदेशों का पालन ही नहीं हो रहा है। वर्ष 2019 में कोर्ट ने आदेश दिया था कि शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कोर्ट ने सभी प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल 24 घंटे चालू रखने के लिए कहा था, लेकिन हालत यह है कि ज्यादातर सिग्नल बंद हैं। पुलिसकर्मी ट्रैफिक संभालने के बजाय साइड में बैठकर चालानी कार्रवाई में व्यस्त रहते हैं।

सुनवाई के दौरान बीआरटीएस हटाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। नगर निगम ने कोर्ट को बताया कि दो बस स्टॉप छोड़कर शेष हटा दिए हैं। कोर्ट के आदेश पर सोमवार को कलेक्टर शिवम वर्मा और निगमायुक्त क्षितिज सिंघल व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए थे। कोर्ट ने दोनों अधिकारियों को अगली सुनवाई पर भी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के आदेश दिए और कहा कि वे बताएं कि बदहाल यातायात को सुधारने के लिए क्या कदम उठा रहे हैं। याचिकाओं में अगली सुनवाई सात मई को होगी। शहर के बदहाल ट्रैफिक को लेकर हाई कोर्ट में पांच अलग-अलग याचिकाएं चल रही हैं। सोमवार को कोर्ट के आदेश पर कलेक्टर और निगमायुक्त उपस्थित हुए। बीआरटीएस हटाने को लेकर हुई सुनवाई में निगम की ओर से बताया गया कि भोलाराम उस्ताद मार्ग के पास (होलकर कॉलेज) स्थित दो बस स्टॉप को छोड़कर शेष हटा दिए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि हम सिर्फ यह चाहते हैं कि सड़क पर यातायात सुगम बना रहे। निगमायुक्त और कलेक्टर सुनिश्चित करें कि सड़क के हर हिस्से का उपयोग हो सके।

सर्विस रोड की बदहाली पर भी हुई चर्चा- निर्माणाधीन ब्रिजों के आसपास की बदहाल सर्विस लेन को लेकर निगम ने कहा कि सर्विस लेन को बनाने का काम एमपीआरडीसी का है। कोर्ट द्वारा गठित समिति सदस्य नीतिन भाटी ने बताया कि बस स्टॉप तो हटा दिए हैं, लेकिन इन बस स्टॉप की ऊंचाई सड़क से अधिक थी।

## इंदौर में सिविल सेवा दिवस गरिमामय रूप से मनाया गया

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर में आज सिविल सेवा दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सिविल सेवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवाएं शासन और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

कार्यक्रम के दौरान भोपाल से आयोजित राज्य स्तरीय सिविल सेवा दिवस समारोह का सीधा प्रसारण भी उपस्थित अधिकारियों को दिखाया गया, जिसमें विभिन्न प्रशासनिक पहल और उत्कृष्ट कार्यों का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रशासनिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता और जनहित में बेहतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

सिविल सेवा दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन विशेष रूप से शामिल हुए।

कार्यक्रम में क्षमता विकास आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री आदिल जैनुलभाई भी मौजूद थे।

साधना सप्ताह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों को सम्मान- राज्य स्तरीय कार्यक्रम में साधना सप्ताह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों को पुरस्कृत किया गया। दस हजार से अधिक लोकसेवकों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन में प्रथम स्थान पर जनजातीय कार्य विभाग, द्वितीय स्थान पर उच्च शिक्षा विभाग और तृतीय स्थान पर स्कूल शिक्षा विभाग को पुरस्कृत किया गया। एक हजार से 10000 लोकसेवकों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये प्रथम स्थान पर आयुष विभाग, द्वितीय स्थान पर तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग और तृतीय स्थान पर जेल विभाग को पुरस्कृत किया गया। एक हजार से कम लोकसेवकों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन में प्रथम स्थान पर पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, द्वितीय स्थान पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग और तृतीय स्थान पर जनसंपर्क विभाग को पुरस्कृत किया गया।

अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय दुबे ने सिविल सेवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रशासन अकादमी के महानिदेशक श्री सचिन सिन्हा और बड़ी संख्या में लोक सेवक उपस्थित थे। उप सचिव, मुख्यमंत्री श्री सुधीर कोचर ने कार्यक्रम का संचालन किया। संचालक प्रशासन अकादमी श्री मुजीबुर्रहमान खान ने आभार व्यक्त किया।

# नारकोटिक्स नियंत्रण हेतु सभी विभाग मिलकर करें संयुक्त एवं प्रभावी कार्रवाई : कलेक्टर

## नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओ की रोकथाम एवं बेहतर समन्वय के सम्बंध में बैठक संपन्न

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम, नियंत्रण तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में सुशासन भवन स्थित सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला अफीम अधिकारी, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, वाणिज्यकर, कृषि, परिवहन, वन, स्वास्थ्य, आबकारी एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि नारकोटिक्स के विरुद्ध कार्रवाई में आपसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। सभी विभाग तालमेल के साथ संयुक्त रूप से कार्यवाही करें तथा सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से अंतरराज्यीय बसों में सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए, जिससे मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

कलेक्टर ने ड्रग्स नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने पर जोर देते हुए सफेमा के अंतर्गत कार्रवाई, जब्ती प्रक्रिया एवं ऐनडीपीएस प्रकरणों में निरंतर जांच एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ड्रग इंस्पेक्टर को निर्देशित किया गया कि जिले की समस्त मेडिकल दुकानों पर केमिकल स्टॉक की नियमित जांच की जाए, स्टॉक रजिस्टर का संधारण सुनिश्चित किया जाए तथा सिंथेटिक खाद्य पदार्थों की भी सघन जांच कर आवश्यकतानुसार नोटिस जारी किए जाएं। औद्योगिक क्षेत्रों में उपयोग किए जा रहे रसायनों की जानकारी एकत्रित कर उनकी सूची तैयार करने के निर्देश भी दिए गए, जिससे संभावित दुरुपयोग पर नियंत्रण रखा जा सके। साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित प्रवृत्तियों पर सतत निगरानी रखने एवं अंतरराज्यीय मामलों में जांच प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। जिले में अफीम, भांग आदि मादक फसलों की अवैध खेती पर कड़ी निगरानी रखने तथा ऐसे क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक विकास कार्यक्रम लागू किए जाएं, जिससे किसानों को वैध एवं स्थायी आजीविका के अवसर मिल सकें। शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया कि स्कूलों एवं महाविद्यालयों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जाएं। साथ ही

एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों एवं मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों एवं आमजन को जागरूक किया जाए। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि जिले में नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा उनकी कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाया जाए। मादक पदार्थों की पहचान एवं रोकथाम के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता का आकलन कर उनकी पूर्ति हेतु आवश्यक कदम उठाने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सक्रियता एवं गंभीरता के साथ कार्य करते हुए जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में समन्वित प्रयास करें।

# सिंगोली नगर परिषद पर अधूरी जानकारी देने व तथ्य छुपाने के लगे आरोप, कलेक्टर से की शिकायत

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर परिषद सिंगोली एक बार फिर विवादों में घिरती नजर आ रही है। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी अधूरी देने और तथ्यों को छुपाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। मामले को लेकर प्रार्थी अशोक कुमार लबाना ने कलेक्टर नीमच को लिखित शिकायत सौंपकर जांच एवं कार्रवाई की मांग की है।

प्रार्थी के अनुसार, नगर परिषद में पंजीयन संपत्ति आईडी 1001929618 के नामांतरण संबंधी दस्तावेजों की जानकारी 12 फरवरी 2026 को RTI के माध्यम से मांगी गई थी। इसमें संकल्प क्रमांक 103 दिनांक 28 मार्च 2025 के तहत जमीलाबाई एवं बतुलबाई के नाम जारी नामांतरण आदेश से जुड़े सभी दस्तावेजों की प्रतिलिपि मांगी गई थी। साथ ही पूर्व में उक्त संपत्ति आईडी इमाम बख्श के नाम किन आधारों पर जारी की गई, इसकी पूरी फाइल भी मांगी गई थी।

लेकिन आरोप है कि नगर परिषद सिंगोली द्वारा 16 अप्रैल 2026 को मात्र तीन पृष्ठों की अपूर्ण जानकारी देकर मामले को निपटा दिया गया, जिससे प्रार्थी को गुमराह किया गया।

प्रार्थी ने शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि उक्त संपत्ति आईडी को लेकर फर्जीवाड़े की आशंका है। बताया गया कि गलत फोटो एवं पड़ोस लगाकर रजिस्ट्री होने का मामला भी चर्चा में है, जबकि संबंधित व्यक्ति के नाम पर सिंगोली के वार्ड 15 में कोई राजस्व भूमि दर्ज नहीं है।

ऐसे में नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए प्रार्थी ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

सूत्रों का कहना है कि यदि इस मामले की गहराई से जांच होती है, तो नगर परिषद सिंगोली में बड़े खुलासे होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

## सैनिक कल्याण में उत्कृष्ट योगदान पर कलेक्टर हिमांशु चंद्रा सम्मानित

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के लिए गर्व का पल सामने आया है, जहां सैनिक कल्याण हेतु उत्कृष्ट योगदान के लिए कलेक्टर हिमांशु चंद्रा को सम्मानित किया गया। भोपाल स्थित लोक भवन में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान सशस्त्र सेना ध्वज दिवस कोष के लिए उत्कृष्ट राशि संग्रहण के लिए दिया गया, जिसमें नीमच जिले ने निर्धारित लक्ष्य से अधिक योगदान कर प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह कोष वीर सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, और समाज के हर वर्ग को इसमें सहयोग करना चाहिए। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य की सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सैनिक कल्याण संचालनालय और लोक भवन भोपाल के अधिकारी भी मौजूद रहे। यह सम्मान न केवल प्रशासन की कार्यशैली को दर्शाता है, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और देश के जवानों के प्रति सम्मान की भावना को भी मजबूत करता है।

# आंगनबाड़ी केंद्र फुसरिया पर पोषण पखवाडा एवं नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** महिला एवं बाल विकास विभाग जिला नीमच के दिशा निर्देश पर दिनांक 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक पोषण पखवाडा और 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को महिला बाल विकास परियोजना रतनगढ़ के अंतर्गत आने वाले सेक्टर सिंगोली क्रमांक 1 के आंगनबाड़ी केंद्र फुसरिया पर पोषण पखवाडा और नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती रेखा गौड ने गर्भवती एवं धात्री माताओ को आमंत्रित कर 0 से 3 वर्ष के बच्चों के मानसिक विकास के लिए आरंभिक उत्तेजना और देखभाल 3 से 6 वर्ष के बच्चों को खेल आधारित शिक्षा देना जीवन के पहले 6 वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास करना सामूहिक सहभागिता एवं आंगनवाड़ियों के लिए सामुदायिक समर्थन प्राप्त करना बच्चो के पोषण आहार को सही मात्रा में और सही समय व सही तरीके से सेवन करने सहित बच्चों को घर का खाना खिलाने व बाजार की पैकिंग कुरकुरे मैगी कोल्ड ड्रिंक जैसी चीज बच्चों को नहीं खिलाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही माह का तीसरा मंगलवार होने से मंगल दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत अन्नप्राशन का आयोजन भी किया गया।

इस अवसर पर आंगनवाडी केंद्र पर आंगनवाडी कार्यकर्ता सुमित्रा शर्मा, प्रेम प्रजापत सहायिका लक्ष्मी सेन सहित ग्राम की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

# नपाध्यक्ष ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ, 25 अप्रैल तक होंगे डे-नाईट मैच

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कालाखेत खेल मैदान में 21 से 25 अप्रैल तक पांच दिवसीय डे-नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर मित्र मण्डल के तत्वावधान में मेहुल सुनील जैन महाबली के द्वारा यह पांच दिवसीय प्रतियोगिता हो रही है।

कल सोमवार को इस क्रिकेट टूर्नामेट का समारोहपूर्वक शुभारंभ किया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर, जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष पुष्पराजसिंह राणा ने प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर कालाखेत खेल मैदान में बनाई गई क्रिकेट पिच पर फिता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, भाजपा मण्डल अध्यक्ष विनोद डगवार, दशपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष नेमीचंद राठौर, शा. महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नरेश चंदवानी, पार्षदगण सुनीता भावसर, गरिमा भाटी, प्रतिभा भैवे, पार्षद प्रतिनिधि विक्रम भैरवे भी मंचासीन थे। अतिथियों का स्वागत मेहुल सुनील जैन, विवेक भावसार, देवराज फतरोड़, मनीष बागड़ी, जान फतरोड़, धीरेन्द्र नोगिया, मदन गुर्जर, मनोज बागडी आदि ने दुपट्टा पहनाकर किया। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर अतिथियों ने सिक्का उछालकर दोनों टीमों के मध्य टास कराया। उसके बाद सभी खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त किया। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर एसीसी इलेवन व धुरंधर इलेवन के मध्य रोमांचक मैच भी खेला गया। यह उल्लेखनीय है कि प्रतिदिन सायं 5 से रात्रि 10 बजे तक 10-10 ओवर के तीन मैच होंगे। 25 अप्रैल को प्रतियोगिता का फाइनल होगा। तथा विजेता टीम को 51 हजार रू. नगद व उपविजेता टीम को 21 हजार रू. की राशि एवं ट्राफी प्रदान की जावेगी।

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने कहा कि सभी खिलाड़ी खेल भावना से क्रिकेट खेले। इस प्रतियोगिता कराने का उद्देश्य है कि ग्रीष्मकालन अवकाश के दौरान विद्यार्थियों को जिन्हें क्रिकेट में रूचित है उन्हें खेलने का मौका मिलै। प्रतियोगिता आगामी समय में जिला एवं प्रदेश स्तर पर हो ऐसा प्रयास रहेगा।

नपा उपाध्यक्ष श्रीमती चावला ने कहा कि नपाध्यक्ष ट्राफी कराने का विचार मेहुल जैन के मन में आया और उन्होंने नपाध्यक्ष ट्राफी काने के लिये उनकी मित्र मण्डली के साथ पुरी मेहनत की है। मैं इस आयोजन के लिये मेहुल जैन एवं उसकी मित्र मण्डली को बधाई देती हूॅ। जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष पुष्पराजसिंह राणा ने कहा कि प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान खिलाड़ी खेल भावना का एंव आयोजक अनुशासन का पुरा ख्याल रखे। दशपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री राठौर ने कहा कि कालाखेत मैदान पर ध्यान देने की है। कार्यक्रम में नितिन ब्रिजवानी, संजय भाटी पत्रकार सहित कई गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला भाजपा उपाध्यक्ष सुनील जैन महाबली ने किया तथा आभार विवेक भावसार ने माना।

# मंदसौर जिले से हज हेतु रवानगी का सिलसिला शुरू हुआ

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इस साल करीब 1,75,025 भारतीय आज़मीन के हज पर जाने की उम्मीद है। मंदसौर संसदीय क्षेत्र नीमच जावरा मंदसौर संपूर्ण संसदीय क्षेत्र से लगभग 445 हज यात्रियों को हज 2026 में हज यात्रा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मंदसौर से 159 है नीमच से 58 है रतलाम से 228 हज यात्री है। मंदसौर संसदीय क्षेत्र से पहली बार 445 हज यात्री हज यात्रा करेंगे। मंदसौर से 159 खुशकिस्मत हाजी साहिबान अपने सफर-ए-हज के लिए रवाना होते जा रहे है।

मध्य प्रदेश राज्य हज कमेटी जिला मंदसौर के सरपरस्त आला हाजी रफीक मुल्ला साहब मंदसौर से 22 अप्रैल को अपने वतन से मुंबई के लिए रवाना होंगे। हाजी साहब अपनी अहलिया बेगम के साथ और इजहार हुसैन साहब अपनी अहलिया बेगम के साथ हज के मुकद्दर सफर पर रवाना होंगे। मन्दसौर से रेल के ज़रिये मुंबई हज हाउस के लिए रवाना होगे। ये तमाम जायरीन इंशाअल्लाह 24 अप्रैल को मुंबई से मदीना मुनव्वरा की जानिब रवाना होंगे, जहां हाज़िरी की तमन्ना हर मोमिन के दिल में बसती है।

अप्रैल माह में हज यात्रियों की रवानगी का यह सिलसिला 18 अप्रैल से शुरू होकर 30 अप्रैल तक लगातार जारी रहेगा, जिसमें लगभग 50 से 30 हाजी साहिबान मदारपुरा से बाबू भाई मौलाना साहब 21 अप्रैल को रवाना होगे एवं मंदसौर के समाजसेवी नाहरु खां मेव साहब और उनकी अहलिया बेगम 23 अप्रैल मुम्बई छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से मदीने के लिए उड़ान भरेंगे। इसके बाद 2 मई से यह मुबारक सिलसिला फिर शुरू हो जाएगा। जो 19 मई तक चलेगा। और अंतिम हज यात्री के रूप में हाजियों का काफिला रवाना होंगे, जिनका यह 20 दिन का शॉर्ट हज होगा। जिला हज कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट शाहिद निजामी ने जायरीन का इस्तकबाल करते हुए उन्हें दिली मुबारकबाद पेश की और कहा कि ÷ये सफर सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि इबादत, सब्र और कुर्बानी का पैगाम है। अल्लाह तआला सभी हाजियों का हज कबूल फरमाए।÷ दुआओं और नेक तमन्नाओं के साथ जायरीन को रुखसत किया गया। इस मौके पर सरवर खान शाहरुख शेख हज कमेटी के खिदमतगार एवं हाजियों को रुखसत करने आए उनके परिवार के सदस्य मंदसौर जिले के आम नागरिक समेत दीगर अहबाब मौजूद रहे।

## शहर कांग्रेस द्वारा सद्बुद्धि हेतु किया सद्बुद्धि यज्ञ, महिला आरक्षण बिल जल्द लागू करने की मांग

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** 21 अप्रैल मंगलवार को सुबह 9 बजे गाँधी चौराहा मंदसौर पर शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा सरकार और प्रधानमंत्री के लिए सदबुद्धि यज्ञ का आयोजन किया गया। शहर कांग्रेस मंदसौर की अध्यक्ष इष्टा भाचावत ने बताया कि महिला आरक्षण बिल को लेकर बीजेपी सरकार द्वारा कांग्रेस के खिलाफ झूठा प्रचार किया जा रहा हैं की कांग्रेस महिला विरोधी हैं सरकार और प्रधानमंत्री लगातार झूठ बोल रहे हैं उन्हें सदबुद्धि प्रदान कराने के लिए शहर कांग्रेस मंदसौर द्वारा आज सदबुद्धि यज्ञ का आयोजन किया गया हैं। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए सरकार से शीघ्र महिला आरक्षण लागू करने की मांग की है। सदबुद्धि यज्ञ पंडित बाबूलाल नागर जी द्वारा संपन्न करवाया गया और ईश्वर से यही प्रार्थना कि गई है भारत सरकार को प्रधानमंत्री को सद्बुद्धि दे और वे जल्द महिला आरक्षण बिल लागू करें ना कि इस पर राजनीति करे। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर, ग्रासीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दाशोरा, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनजीत सिंह टुटेजा, अजय लोढ़ा, महेश गुप्ता, विश्वनाथ सोनी, रमेश बृजवानी ,अकरम खान, संजय बरेट, अजय मारु, शैलेन्द्र मरोठिया, शिव शंकर सोलंकी, शुभम कुमावत, प्रीतम पंचोली, सुनील बसेर, संजय नाहर, सुनील पामेचा, सुनील गुप्ता, सादिक गौरी, आमीन खान, योगेंद्र गौड़, दुर्गेश चंदेल, आदर्श जोशी, प्रहलाद शर्मा, राकेश जैन, देवेंद्र जैन, रफत पयामी, सुनीता बंड, राखी सतरावाला, सोनाली जैन, अनीता भदौरिया, वर्षा सांखला, प्रमिला नाहर, कुमकुम सिसोदिया, योगिता बैरागी, नेहा कनकमल जैन, वर्षा माली, बबिता सोलंकी, नम्रता सतरावाला, भारती पाटीदार आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे।

## पोषण पखवाड़ा के तहत पिपल्या जागीर एवं गोविंदपुरा में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर सम्पन्न

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पोषण पखवाड़ा के तहत नीमच जिले में मंगलवार को पिपल्या जागीर एवं गोविंदपुरा में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर एवं मातृ-शिशु पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिविर में आमवात, संधिवात, त्वचा रोग, उदर रोग, विबंध, श्वास, कास, प्रतिश्याय, रक्ताल्पता, उच्च रक्तचाप, अर्श, अम्लपित्त, प्रमेह आदि रोगों की जांच कर रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। साथ ही रक्तचाप की निःशुल्क जांच भी की गई। बच्चों के संज्ञानात्मक विकास हेतु थीम-03 प्रारंभिक वर्षो में खेल आधारित शिक्षा (3-6 वर्ष) के अंतर्गत खेल आधारित शिक्षण गतिविधियों का महत्व समझाया गया। इन शिविरों में कुल 61 मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर पंचायत सदस्य, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.आबिद खान, डॉ.आरपी वर्मा, श्रीमती संजू भदौरिया, आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक, प्राचार्य, आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता, सहायिका एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

## जिला पंचायत सीईओ एवं एडीएम ने की जनसुनवाई - 83 आवेदकों की सुनी समस्याएं

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैषण एवं अपर कलेक्टर श्री बीएस कलेश ने जनसुनवाई करते हुए 83 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में नयागांव के हीरानाथ, सरवानिया महाराज के राजकुमार, दारू के दिलीप पुरोहित, बनड़ा के जगदीश, कोर्ट मोहल्ला नीमच सिटी के भंवर लाल, कंजार्डा के प्रेमचंद्र, लसुडिया आंत्री के भारत, ओमप्रकाश, भाटखेडी के मुकेश, आमली भाट के श्रवणदास, आलोरी गरवाडा की जुम्माबाई, घसुण्डी बामनी के भरत नागदा, झांतला के गोपालसिह, कनावटी की राजकुंवर ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

# कुरीतियों और विकृतियों को त्यागें तो श्रेष्ठ भारत का निर्माण संभव- भैया जी जोशी

## नीमच में प्रमुख मातृशक्ति और प्रमुखजन वृहद गोष्ठी

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** विदेशी या आयातित की अपेक्षा अब स्व को केंद्र में रखकर आचरण का अभ्यास करना होगा। भारत को सही मायने में उच्च शिखर पर ले जाना है तो अपनाना होगा- मैं बदलूंगा तो युग बदलेगा। इसके लिए कुरीतियों, विकृतियों का त्याग करना नितांत आवश्यक है। यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व अखिल भारतीय सर संघ चालक श्री सुरेश भैया जी जोशी ने नीमच के टाउन हॉल में आयोजित प्रमुख मातृशक्ति और प्रमुखजन गोष्ठी को संबोधित करते हुए कही।

प्रथम सत्र में भैया जी जोशी ने मातृशक्ति से संवाद किया। आपने महिलाओं से परिवार, सामाज, विभिन्न वर्गो, व्यवस्थाओं, आदिकाल की परंपराओं, रीतियों, कुरीतियों, रूढ़ियों और सुधार को लेकर विस्तृत चर्चा की। प्रबुद्ध महिलाओं ने विभिन्न बिंदुओं पर समाज मे समानता और सुधार की संभावनाओं पर विचार रखे।

द्वितीय सत्र में प्रमुखजन गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें भारत की संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाने में अवरोध बन रही परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज के विभिन्न वर्ग के प्रमुखजनों ने सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन और सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

पूर्व सर कार्यवाह भैया जी जोशी ने इन सत्रों में कहा कि भारत में हिंदू हैं लेकिन हिंदुत्व का अभाव दिखाई देता है। भारत मे रहकर भी भारतीय नहीं बन पा रहे हैं।

आज भी सामाजिक, जातिगत भेदभाव सबसे बड़ी चुनोती है। जन्म के आधार पर जब पृकृति ने कोई भेद नहीं किया तो हम ऊंच नीच, भेदभाव, स्पृश्य अस्पृश्यता जैसी कुप्रथाओं को क्यों ढो रहे हैं। आज तत्वज्ञान आचरण को जीवन और सिद्धांतों में लाने वाले हिंदुओ की आवश्यकता है। हिंदू की सही पहचान उसके जीवन मूल्यों से है। पुरातन काल की कुछ प्रथाएं आगे चलकर कुरीतियों और विकृति में बदल गई। उन्हें त्यागे बिना हम सुद्रढ़ राष्ट्र की कल्पना नहीं कर सकते। आधुनिकता को स्वीकार करें सदुपयोग करें लेकिन पाश्चात्य सभ्यता को जीवन का हिस्सा न बनने दें। पौराणिक काल मे नदियों, पेड़ पृकृति की पूजा की परंपरा रही, लेकिन अधिनिकता के दौर में हम इन्हें छोड़ते गए। दहेज प्रथा को आज भी चला रहे हैं। लड़की हमारी है तो यह अन्याय है और लड़का हमारा है तो यह परंपरा में ली गई। ऐसे ही ऊंच नीच का भेदभाव है। जबकि आज क्या उच्च जाति के घरों में निम्न मानसिकता के बच्चे पैदा नहीं होते क्या? यही नहीं कई निम्न परिवारों में उच्च मूल्यों वाली संतान पैदा होती है। भेदभाव को समाप्त किये बिना हम आगे बढ़ ही नहीं सकते। यानि जो छोड़ना था उन्हें अपनाए हुए हैं और जो अपनाना था उन्हें हम छोड़ क्यों रहे? अच्छी बातें पुस्तकों से नहीं अपितु माता पिता से मिलती है। पीढ़ी यदि संवरती है या बिगड़ती है तो दोष माता पिता का भी है। बच्चों को जो आवश्यक है वह देने वाले बनें न कि जो चाहिए वह दें। देशभक्ति केवल 15 अगस्त या 26 जनवरी को नहीं दिखाई देनी चाहिए। देशभक्ति का संबंध तो नित्य जीवन से है।

भैया जी ने कहा कि दुनिया मे भारत की दुर्लभ परम्पराओं, संस्कृति, समाज और परिवार व्यवस्था का कोई सानी नहीं है। लेकिन इसे न केवल समझना होगा बल्कि जीवन मे अनुसरण भी दृढ़ता से करना होगा। तब हम विश्व के मार्गदर्शक बनने की स्थिति में होंगे। हम किसी की पराजय में विश्वास नहीं करते बल्कि उनको जीतने में हमारा विश्वास है। सनातन हिन्दू धर्म के मूल्यों को समझकर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। हम हिन्दू होकर भी हिंदू नहीं बन पा रहे। स्वयं की भूमिका का निर्धारण कीजिये तब भारतको विश्वगुरू बनाने का सपना साकार होगा।

दोनों ही सत्रों में विभिन्न वर्गों के प्रमुखजन और प्रमुख मातृशक्ति से भैया जी जोशी ने विस्तृत संवाद किया। आरंभ मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण और प्रेरक गीत से हुआ। मातृशक्ति गोष्ठी का संचालन सुधा महावर ने किया तथा प्रमुखजन गोष्ठी का संचालन डॉ राजेंद्र ऐरन ने किया। मंच पर भैया जी जोशी के साथ विभाग कार्यवाह श्री सतीश खंडेलवाल, जिला कार्यवाह श्री अनिल जैन आसीन थे। कार्यक्रम में संघ के प्रांत, विभाग, जिला, नगर पदाधिकारी मौजूद रहे।

## नाहरगढ़ थाना पुलिस की कार्रवाई : 500 ग्राम एमडी व 5 किलो डोडाचूरा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नाहरगढ़ थाना पुलिस ने 500 ग्राम एमडी व 5 किलो डोडाचूरा के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना अनुसार दिनांक 20 अप्रैल को थाना नाहरगढ़ पर पदस्थ सउनि रशीद पठान द्वारा मुखबिर सूचना कार्यवाही करते हुए डिगांव-कचनारा रोड हनुमान मंदिर के पास शक्करखेडी गांव मे रोड पर सुजुकी एक्सेस स्कुटर को रोका। इस पर सवार व्यक्ति से नाम पता पुछते अय्युब पिता अफजल खान पठान उम्र 23 साल निवासी दोलतपुरा थाना वाय.डी.नगर मंदसौर का होना बताया। स्कुटर पर रखे विमल के बेग में तलाशी लेते 500 ग्राम एम.डी. ड्रग्स व 05 किलोग्राम डोडाचुरा मिला। आरोपी से पुछताछ जारी है। गिरफ्तार आरोपी अय्युब पिता अफजल खान पठान उम्र 23 साल निवासी दोलतपुरा एवं सोहेल पिता अब्दुल खान उम्र 21 वर्ष निवासी बालागंज जिला मंदसौर है।

## राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक 23 को

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में टाउनहॉल नीमच में 23 अप्रेल को प्रातः10 बजे से राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने अधीनस्थ तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों के साथ उपस्थित होने का आगृह है। बैठक में फार्मर रजिर्स्ट्री, आर.ओ.आर.ई-केवायसी, नक्शा तरमीम, शासकीय सर्वे नंबरों का बटांकन तरमीम, आदेश अनुपालन, डेटा परिमार्जन, पीएम किसान सम्मान निधि, ई-केवायसी, पीएम किसान सम्मान निधि, आधार से बैंक खातों की लिंकिंग(एनपीसीआई सिडिंग), नक्शाविहीन ग्रामों का अभिलेख निर्माण की प्रगति, मजरा टोला से राजस्व ग्रामों का अभिलेख निर्माण, सातवीं लघु सिंचाई संगणना आदि की समीक्षा की जाएगी।

# सम्पादकीय

## महंगे वैल्युएशन से लेकर बदलते नैरेटिव तक, आखिर क्यों विदेशी निवेशक खींच रहे हैं हाथ?

अक्टूबर 2024 यानी पिछले 18 महीने से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली लगातार जारी है। इस बीच 45 अरब डॉलर की राशि बाहर गई और बीते महीने कई दिन तो 1 अरब डॉलर की राशि का बहिर्गमन हुआ। यह बाजार पूंजीकरण के 1 फीसदी के बराबर है और वैश्विक वित्तीय संकट के दिनों हुई बिकवाली से भी अधिक। मैंने निवेश बैंकों का शोध देखा है जिसमें 12-15 अरब डॉलर की अतिरिक्त बिकवाली की संभावना जताई गई है।

विदेशी निवेशक अब भारत पर गंभीर रूप से अंडरवेट हैं, और स्वामित्व 15 वर्षों के निचले स्तर पर है। भारत ने उभरते बाजार इक्विटी की तुलना में 5,000 आधार अंक तक का कमतर प्रदर्शन किया है। धारणा अत्यंत नकारात्मक है। हालांकि, घरेलू प्रवाह मजबूत बने हुए हैं, फिर भी एफपीआई लगातार बिकवाली कर रहे हैं। क्यों?

जब मैं दुनिया भर के साथियों से बात करता हूं तो कहानी एक जैसी होती है। भारत बस बहुत महंगा है। पिछले 15 महीनों के खराब सापेक्ष प्रदर्शन और विविध संकुचन के बाद भी, हम उभरते बाजार औसत की तुलना में 50 फीसदी प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं।

केवल 10-15 फीसदी आय वृद्धि देने वाले बाजार के लिए निवेशक 20 गुना क्यों चुकाएं? जब कोरिया या ताइवान जैसे अन्य बाजारों में बेहतर आय है और वे बहुत सस्ते हैं, तो भारत में खरीदारी क्यों की जाए? भारत की इक्विटी पर रिटर्न भी अब प्रीमियम पर नहीं है। जब पूछा जाता है कि एफपीआई भारत को लेकर इतने उत्साहित क्यों थे, विशेषकर तब जब मूल्यांकन कहीं अधिक ऊंचे थे और यह स्थिति केवल 18 महीने पहले की है, तो क्या बदल गया है? मुझे निम्नलिखित उत्तर मिलते हैं।

करीब 24 महीने पहले तक भारत उभरते बाजार निवेशकों के लिए इकलौता अच्छा विकल्प था। छह उभरते देश चीन, भारत, ताईवान, दक्षिण कोरिया, ब्राजील और सऊदी अरब सूचकांक में 80 फीसदी से अधिक के हिस्सेदार थे। भू-राजनीतिक कारणों से चीन को निवेश योग्य नहीं माना जाता था, ताइवान चीन जोखिम से जुड़ा था, कोरिया खराब पूंजी आवंटन और शासन समस्याओं के कारण निवेशकों के लिए कठिन था, और ब्राजील तथा सऊदी अरब को संकीर्ण कमोडिटी/बैंक आधारित निवेश माना जाता था।भारत को एकमात्र बड़ा, नकदीकृत उभरता बाजार माना जाता था जिसमें दीर्घकालिक विकास की संभावना थी।

भारत में घरेलू प्रवाह भी तेजी से बढ़ रहा था, जिससे बाजारों में दीर्घकालिक पूंजी आई। भारतीय गुणक ऊपर की ओर पुनर्मूल्यांकित हुए और एक समय उभरते बाजार के औसत से 100 फीसदी प्रीमियम तक पहुंच गए, लेकिन निवेशकों के पास सीमित विकल्प थे। सीमित उभरते बाजार की आय वृद्धि की दुनिया में, भारत की स्थिर 15 फीसदी आय देने की क्षमता बहुत आकर्षक थी। भारतीय बाजार अच्छा कर रहे थे। गति सकारात्मक थी।

आज हालात अलग हैं। चीन निवेश लायक है। इसमें नीतिगत ठहराव और कई उद्योगों में वैश्विक नेतृत्व का योगदान है। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मूल्य श्रृंखला, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) में उसकी ताकत को देखते हुए चीन को अनदेखा नहीं किया जा सकता। कोरिया अब भी सस्ता है और महत्त्वपूर्ण कारोबारी संचालन सुधारों से गुजर रहा है, निवेशकों ने जापान में इस तरह का लाभ देखा है। ताइवान अपने सेमीकंडक्टर नेतृत्व के कारण अपरिहार्य है और वे ब्राजील के भी समर्थक हैं। भारत अब अकेला विकल्प नहीं है। इसलिए अब कठिन सवाल पूछे जा रहे हैं, चाहे वह मूल्यांकन को लेकर हों या दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर।

सितंबर 2024 में अपने चरम पर, भारत दुनिया का सबसे महंगा बाजार था। मूल्यांकन गुणक वृद्धि, पूंजी पर रिटर्न और उस वृद्धि के पूर्वानुमान व अवधि की अंतर्निहित अपेक्षाओं को दर्शाते हैं। क्या भारत के पास इतने उच्च गुणक को उचित ठहराने के लिए नवाचार क्षमता और विकास है? गुणक में गिरावट यह संकेत देती है कि निवेशक या तो अपनी वृद्धि अपेक्षाओं को कम कर रहे हैं या वृद्धि की अवधि को घटा रहे हैं। कई निवेशकों का मानना है कि भारत अब संरचनात्मक रूप से 10-15 फीसदी आय वृद्धि पर अटका हुआ है। बाजार के बड़े हिस्से यानी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाएं, निजी बैंक, उपभोक्ता वस्तुएं, वैश्विक जेनेरिक आदि इसी स्तर की आय वृद्धि पर अटके हुए हैं। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी अलग गतिशीलता है। उपभोक्ता वस्तुओं को अधिक आय अर्जित करने वाला माना जा रहा है, निजी बैंक मजबूत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। आईटी क्षेत्र एआई के जोखिम से जूझ रहा है, और जेनेरिक्स बायोसिमिलर्स की ओर बढ़ रहे हैं। जब बाजार के पारंपरिक क्षेत्र ठहराव में हैं और नए क्षेत्र पर्याप्त रूप से प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हैं, तो बाजार की आय वृद्धि कैसे तेज होगी? हमारी वृद्धि अवधि को लेकर निवेशकों का विश्वास भी प्रभावित हुआ है। कोई भी प्रमुख उभरती तकनीक ऐसी नहीं है जिसमें भारत प्रमुख बाजार हिस्सेदार हो। निवेशकों की धारणा है कि हम नवाचार नहीं कर रहे हैं। अधिकांश निवेशकों का यह भी मानना है कि हमने बहुराष्ट्रीय कंपनियों से विनिर्माण निवेश आकर्षित करने के लिए व्यापार सुगमता पर पर्याप्त काम नहीं किया है। 'चीन-प्लस-वन' कहानी निवेशकों की अपेक्षित गति से नहीं चली।

## बिना प्रयास ध्यान : सहज योग की विशेषता

वर्तमान समय में मेडिटेशन (ध्यान) के प्रति लोगों का रुझान तेजी से बढ़? रहा है, और यह अब केवल आध्यात्मिक अभ्यास न रहकर एक वैश्विक स्वास्थ्य प्रवृत्ति बन गया है। भागदौड़ भरी जिंदगी, बढ़ते मानसिक तनाव और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के कारण लोग अब मानसिक शांति की तलाश में ध्यान की ओर रुख कर रहे हैं। परंतु ध्यान की सही विधि और इसके साइंस को समझे बिना ध्यान मात्र एक क्रिया बनकर रह जायेगी। मेडिटेशन (ध्यान) की सही विधि में मुख्य बाधाएं अति-विचार, शारीरिक बेचैनी, नींद/आलस्य, ध्यान न लगना और परिणाम के लिए जल्दबाजी हैं। इन्हें दूर करने के लिए प्रतिदिन एक ही समय पर नियमानुसार अभ्यास करना होगा, आरामदायक आसन पर बैठकर पहले सांसों पर ध्यान केंद्रित कर और विचारों को जबरदस्ती रोकने के बजाय साक्षी भाव से देखने का अभ्यास करना होगा। सहज योग एक ऐसी अद्वितीय ध्यान पद्धति है जो 1970 में श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा विकसित की गई थी, जिसके माध्यम से कुण्डलिनी ऊर्जा को सहजता से और लगभग बिना किसी प्रयास के जाग्रत किया जा सकता है जो ध्यान की गहनता के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है। सहज योग ध्यान पद्धति आत्म-साक्षात्कार के द्वारा आत्म-ज्ञान और आंतरिक शांति प्राप्त करने की एक स्वैच्छिक और निन्शुल्क विधि है।

सहज योग पद्धति में  आसन, प्राणायाम या कठिन मानसिक अनुशासन के बिना सीधे कुंडलिनी शक्ति जाग्रत होती है।  सहज योग में ध्यान, मन को सप्रयास नियंत्रित नहीं करता है बल्कि यह स्वतः ही विचार-रहित जागरूकता की स्थिति लाता है, जहाँ मन शांत और स्पष्ट हो जाता है।

इसमें सचेत प्रयास की आवश्यकता नहीं होती; केवल दृढ़ इच्छा और समर्पण से ध्यान लगता है।  यह तकनीक पूरी तरह से निन्शुल्क है और इसे कोई भी, कभी भी और कहीं भी इसका अभ्यास कर सकता है। यह न केवल आध्यात्मिक विकास करता है, बल्कि मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक संतुलन भी लाता है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। सहज योग के माध्यम से व्यक्ति अपने स्वयं का गुरु बन जाता है आत्म-संतोष, आनंद और आंतरिक शांति की अनुभूति पाने की विधि वह स्वयं सीख लेता है।

# आरोपों की आवाज़ ऊंची थी, पर निर्णय की नींव गहरी थी

कभी-कभी अदालतों में सिर्फ़ मुकदमे नहीं, बल्कि लोकतंत्र के सिद्धांतों की भी असली परीक्षा होती है– और 20 अप्रैल 2026 को दिल्ली में यही तस्वीर दिखी। आरोपों और संस्थागत गरिमा के बीच सीधा टकराव था, और सवाल था कि न्याय किस आधार पर टिकेगा। दिल्ली उच्च न्यायालय के कक्ष में जब अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा से खुद को मामले से अलग करने की मांग उठाई, तो बहस एक साधारण कानूनी प्रक्रिया से आगे बढ़कर न्यायिक निष्पक्षता पर केंद्रित हो गई। लेकिन सुनवाई के अंत में अदालत ने रिक्यूसल याचिका खारिज कर स्पष्ट कर दिया कि न्याय न आशंकाओं पर चलता है, न संकेतों पर डगमगाता है; वह ठोस प्रमाण, तर्क और कानून की मजबूत नींव पर टिका होता है।

बहस की दिशा अचानक तब बदली, जब अरविंद केजरीवाल ने अपने अतिरिक्त हलफ़नामे के माध्यम से मुद्दे को जज के निजी पेशेवर संबंधों तक विस्तार दे दिया। उन्होंने तर्क दिया कि जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा के बेटे और बेटी सरकारी पैनल के वकील हैं और उन्हें तुषार मेहता जैसे सॉलिसिटर जनरल के जरिए लगातार काम मिलता है, जो इसी मामले में जांच एजेंसियों का पक्ष रख रहे हैं। इसी आधार पर उन्होंने निष्पक्ष सुनवाई पर ÷उचित संदेह÷ जताते हुए जज के अलग होने की मांग की। यह दलील सीधे न्यायपालिका की निष्पक्षता और उसकी सार्वजनिक विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़ा करने वाली थी।

केजरीवाल की दलील महज़ एक नेता की व्यक्तिगत आपत्ति नहीं, बल्कि उस व्यापक और गहरी लोकतांत्रिक चिंता की अभिव्यक्ति है कि न्याय सिर्फ़ निष्पक्ष हो ही नहीं, बल्कि निष्पक्ष दिखाई भी दे। खासकर तब, जब मामला राजनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील हो और उसमें केंद्र सरकार की एजेंसियां सक्रिय रूप से शामिल हों, हर संभावित जुड़ाव–चाहे प्रत्यक्ष हो या परोक्ष–स्वाभाविक रूप से सवाल और शंकाएँ पैदा कर सकता है। इसी नजरिए से देखें तो अरविंद केजरीवाल का तर्क पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता; यह लोकतांत्रिक पारदर्शिता, संस्थागत विश्वसनीयता और जवाबदेही की वैध मांग का भी संकेत देता है।

अदालत ने जब इस पूरे तर्क-विन्यास को गहराई से परत-दर-परत खंगाला, तो उसकी कानूनी मजबूती खुद ही सवालों के घेरे में आ गई। जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा ने स्पष्ट कहा कि महज़ आशंका या संकेत किसी न्यायाधीश को हटाने का वैध आधार नहीं बन सकते, क्योंकि इससे पूरी न्यायिक प्रक्रिया अस्थिर और संदिग्ध हो जाएगी। उन्होंने यह भी चेताया कि अगर ऐसे तर्कों को मान्यता मिल गई, तो हर मुकदमे में जजों के निजी जीवन और पारिवारिक संबंधों को हथियार बनाया जाने लगेगा। इसी निर्णायक मोड़ पर अदालत ने न केवल दलीलों को सिरे से खारिज किया, बल्कि स्पष्ट और सख्त शब्दों में आदेश सुनाया–याचिका खारिज की जाती है।

बहस के बीच एक ऐसा निर्णायक क्षण आया, जिसने पूरे विवाद का केंद्र ही बदल दिया–÷ अगर राजनेताओं के बच्चे राजनीति में आ सकते हैं, तो जजों के बच्चे वकालत क्यों नहीं कर सकते?÷ जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की यह टिप्पणी महज़ एक प्रतिवाद नहीं, बल्कि एक गहरे संवैधानिक सिद्धांत की स्पष्ट और सशक्त पुनर्पुष्टि थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी नागरिक को उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर पेशा चुनने से वंचित नहीं किया जा सकता। यह सीधे-सीधे मौलिक अधिकारों का प्रश्न है, जिसे किसी मुकदमेबाज़ की रणनीति या सुविधा के लिए सीमित नहीं किया जा सकता।

इस पूरे घटनाक्रम को सिर्फ़ अदालत के निर्णय तक सीमित कर देना वास्तविक तस्वीर को छोटा कर देना होगा। अरविंद केजरीवाल का पक्ष साफ़ संकेत देता है कि राजनीति और न्यायपालिका के बीच अविश्वास की खाई लगातार गहराती जा रही है। जब एक निर्वाचित नेता बार-बार अपने खिलाफ़ कार्रवाई को राजनीतिक करार देता है, तो यह केवल आरोप नहीं, बल्कि उस व्यापक माहौल की झलक है जहाँ संस्थाओं पर भरोसा डगमगाने लगता है। ऐसे परिदृश्य में अदालत पर भी यह अतिरिक्त दायित्व आ जाता है कि वह सिर्फ़ निष्पक्ष रहे ही नहीं, बल्कि अपनी निष्पक्षता को स्पष्ट, पारदर्शी और भरोसेमंद तरीके से प्रदर्शित भी करे।

अदालत ने इस पूरे विवाद को केवल तात्कालिक नहीं, बल्कि उसके व्यापक और दूरगामी प्रभावों के संदर्भ में देखा। जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा ने स्पष्ट कहा कि यदि केवल आशंका या अपुष्ट सूचनाओं के आधार पर फैसले होने लगें, तो न्यायपालिका की बुनियाद ही डगमगा सकती है। उन्होंने अपने आदेश में रेखांकित किया कि आरटीआई या परोक्ष जानकारियों के आधार पर किसी दुरुपयोग का कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया। यदि ऐसी याचिकाओं को स्वीकार करने की प्रवृत्ति शुरू हो गई, तो हर जज और उसके परिवार पर संदेह का वातावरण बनेगा, जो अंततः लोकतंत्र के लिए गंभीर रूप से घातक साबित होगा।

यह घटनाक्रम लोकतंत्र के उस जटिल और नाजुक संतुलन को उजागर करता है, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग, संस्थाओं की स्वतंत्रता और स्थिरता से टकराती नजर आती है। अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज होना केवल एक साधारण कानूनी फैसला नहीं, बल्कि एक स्पष्ट और मजबूत सिद्धांत की स्थापना है– कि न्यायपालिका आरोपों या दबाव के आगे नहीं झुकेगी। साथ ही, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसे विवाद यह संकेत देते हैं कि आपसी विश्वास बहाल करने के लिए दोनों पक्षों को अपनी सीमाओं, जिम्मेदारियों और आचरण की मर्यादाओं को समझना और मानना होगा।

जब बहस थमती है और फैसले दर्ज हो जाते हैं, तब असली सवाल सामने आता है–न्याय की विश्वसनीयता किस पर टिकी है। इस पूरे प्रकरण ने साफ़ किया कि न्याय केवल निर्णयों से नहीं, बल्कि प्रक्रिया की पारदर्शिता और भरोसे से बनता है। अदालत ने याचिका खारिज कर यह रेखांकित कर दिया कि ठोस प्रमाण के बिना कोई भी आशंका न्यायिक हस्तक्षेप का आधार नहीं हो सकती। फिर भी, यह प्रश्न बना रहता है कि क्या हमारी राजनीतिक और न्यायिक संस्थाएं वह भरोसा कायम कर पा रही हैं, जिसकी एक सुदृढ़ लोकतंत्र को आवश्यकता है। अंततः, यही निष्कर्ष उभरता है–संतुलन, पारदर्शिता और सिद्धांतों के बीच सटीक तालमेल ही लोकतंत्र को मजबूत बनाता है।

-प्रो. आरके जैन

## नवप्रवर्तन सृजनात्मकता की नई धारा

जीवन ही चलने का नाम है,गति ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है, नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3त्न नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है।

-संजीव ठाकुर

# आतंक के खिलाफ मजबूत मोर्चा

भारत दशकों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष आतंकवाद का सामना करता आया है। यह लड़ाई हमारे लिए नई नहीं है। आतंकवाद कितना वीभत्स हो सकता है, इसका एक उदाहरण पिछले वर्ष पहलगाम में हुआ आतंकी हमला था, जिसमें लोगों को उनका मजहब पूछकर मारा गया था।

चूंकि पहलगाम हमले की बरसी निकट है, इसलिए हमें आतंकवाद के खतरों को लेकर सचेत रहना होगा। पहले जहां आतंकवाद सीमांत क्षेत्रों और पारंपरिक तरीकों तक सीमित था, वहीं अब यह उच्च तकनीक, इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के सहारे तेजी से फैलने वाला वैश्विक खतरा बन गया है।

आज आतंकी केवल हथियारों के सहारे नहीं, बल्कि डिजिटल माध्यमों, गुप्त वित्तीय नेटवर्कों और वैचारिक प्रचार के जरिये भी काम कर रहे हैं। इस बदलते स्वरूप को समझे बिना आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटना संभव नहीं है। इसी संदर्भ में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक समयानुकूल पहल की है। इसे नाम दिया है %प्रहार% (यानी प्रोएक्टिव रिस्पांस अगेंस्ट होस्टाइल एक्ट्स)। यह कदम आतंकवाद से निपटने में बाजी पलटने वाला दांव सिद्ध हो सकता है।

भारत ने आतंकवाद से लड़ते हुए कई अनुभव हासिल किए हैं। इस क्रम में माओवाद से निपटने में अपनाई गई %समाधान% संकल्पना एक उत्कृष्ट उदाहरण है। दृढ़ इच्छाशक्ति, स्पष्ट रणनीति, बेहतर समन्वय और मजबूत खुफिया तंत्र के माध्यम से उग्रवाद को काफी हद तक नियंत्रित किया गया।

इससे यह सिद्ध हुआ कि यदि नीति स्पष्ट हो और एजेंसियों के बीच तालमेल मजबूत हो, तो जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। हालांकि आतंक से निपटने में आज की चुनौतियां कहीं अधिक विकराल हैं। आतंकवाद मुख्यत~ बाहरी ताकतों द्वारा पोषित है। अब बिखरे हुए छोटे-छोटे समूहों, अकेले काम करने वाले व्यक्तियों और आनलाइन नेटवर्क के रूप में भी वह विस्तार ले रहा है। इस तरह यह एक साथ जमीनी, इंटरनेट और वित्तीय तंत्र तीनों स्तरों पर काम करता है। ऐसे में अलग-अलग और असंगठित प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे।

प्रहार जैसी संकल्पना इन्हीं पहलुओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह तकनीक, खुफिया जानकारी, कानून व्यवस्था, वित्तीय निगरानी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में समन्वयन को सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य स्पष्ट है-खतरे को चिह्नित करना, उसे बढ़ने से रोकना और जरूरत पड़ने पर तुरंत और सख्त कार्रवाई करना। इस नीति की सबसे बड़ी विशेषता इसका समग्र दृष्टिकोण है।

आतंकवाद बंदूक या बम का मामला नहीं है, बल्कि यह एक सोच, एक बड़े नेटवर्क और दुश्मन के सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है, इसलिए इसका समाधान भी बहुआयामी होना चाहिए। प्रहार सात मुख्य स्तंभों पर आधारित है, जो इसे एक संतुलित और प्रभावी नीति बनाते हैं।

एक स्तंभ है रोकथाम यानी खुफिया जानकारी के आधार पर समय रहते कार्रवाई। दूसरा स्तंभ है प्रतिक्रिया, जिसमें किसी घटना पर त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई। तीसरा स्तंभ है विश्लेषण, जिसमें सटीक जानकारी एवं विश्लेषण के आधार पर निर्णय। चौथा स्तंभ है मानवाधिकार अनुपालन यानी कानून और संविधान के दायरे में रहकर कार्रवाई। पांचवां स्तंभ है आतंकी वित्तीय ढांचे की कमर तोड़ना, ताकि उन तक वित्तीय मदद पहुंचने ही न पाए। छठा स्तंभ है जागरूकता और कट्टरता-निरोध, जिसमें समाज को साथ लेकर चलना और दुष्प्रचार का समय से खंडन। सातवां स्तंभ है लचीलापन और पुनर्बहाली यानी घटना के बाद तेजी से सामान्य स्थिति बहाल करना। ये सभी स्तंभ ऐसी रणनीति बनाते हैं, जो न केवल आतंक को रोकने में सक्षम है, बल्कि समाज को भी मजबूत बनाती है।

आज आतंकी नई तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में पारंपरिक पुलिसिंग पर्याप्त नहीं रह गई है। प्रहार इस कमी को दूर करते हुए साइबर क्षमता, आधुनिक तकनीक और वित्तीय निगरानी को भी अपने ढांचे में शामिल करता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने आतंक के खिलाफ अपना रुख और स्पष्ट किया है।

बालाकोट एयर स्ट्राइक से लेकर आपरेशन सिंदूर और देश के भीतर आतंकी नेटवर्क पर लगातार कार्रवाई यह दिखाती है कि भारत अब केवल बचाव की नीति तक सीमित नहीं है। जरूरत पड़ने पर उसके पास निर्णायक और पूर्व-निषेधात्मक कठोर कदम उठाने की क्षमता और इच्छाशक्ति दोनों मौजूद हैं।

प्रहार यह सुनिश्चित करता है कि ऐसी कार्रवाई केवल परिस्थितियों पर निर्भर न रहे, बल्कि एक व्यवस्थित नीति के तहत की जाए। इस नीति का केंद्रीय आधार आतंक की रोकथाम है। इसके लिए खतरे को प्रारंभिक स्तर पर ही चिह्नित कर उसे निष्प्रभावी करना मूल उद्देश्य है। इसके लिए खुफिया-आधारित पुलिसिंग को सुदृढ़ करना, एजेंसियों के बीच रियल-टाइम सूचना साझाकरण सुनिश्चित करना, भर्ती नेटवर्क को समय रहते ध्वस्त करना और आतंकी समर्थन तंत्र को समाप्त करना अनिवार्य है।

साथ ही, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय कट्टरपंथी गतिविधियों की निगरानी और आतंकी वित्तपोषण के स्रोतों पर कठोर नियंत्रण इस ढांचे के प्रमुख घटक हैं। एआइ के माध्यम से संभावित खतरों का पूर्वानुमान, बिग डाटा से संदिग्ध पैटर्न की पहचान, सीमाओं पर ड्रोन निगरानी और साइबर फोरेंसिक के माध्यम से इन्क्रिप्टेड संचार की ट्रैकिंग जैसे उपाय इसे अधिक प्रभावी बनाते हैं।

के डिजिटल स्वरूप को देखते हुए साइबर क्षमताओं का विस्तार अब अनिवार्य हो गया है, क्योंकि डीपफेक आधारित दुष्प्रचार के बढ़ते उपयोग ने यह चुनौती और जटिल बना दी है। यह भी समझना होगा कि कट्टरपंथ केवल सुरक्षा बलों के माध्यम से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इसके लिए समाज, शिक्षकों, धार्मिक नेतृत्व और नागरिक संगठनों की भागीदारी भी अपरिहार्य है। प्रहार भारत की आतंकवाद-रोधी रणनीति में बड़े बदलाव का प्रतीक है। इसका ढांचा मजबूत है और सरकार की मंशा भी स्पष्ट दिखती है, पर इसकी सफलता क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। नीति बनाना पहला कदम है, उसे जमीन पर प्रभावी बनाना असली चुनौती है।

-धनंजय राजौरा

# नए युग के लिए बिजली की रीवायरिंगः भारत का एनर्जी ट्रांसमिशन बहुत ज्यादा सतर्क

पश्चिम एशिया में हाल ही में शुरू हुए संकट ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा की समस्या वास्तव में भौगोलिक स्थिति के कारण मुश्किल हो जाती है। अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध के बीच होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का आवागमन गंभीर रूप से बाधित हो गया है और दुनिया की प्रमुख शक्तियां इस बात को खुले तौर पर स्वीकार कर रही हैं कि इस कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर जोखिम की स्थिति बन सकती है। दुनिया का लगभग 20 फीसदी तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) इस संकीर्ण जलमार्ग से होकर गुजरता है और इस मार्ग के बंद होने का प्रभाव अब पूरी दुनिया में महसूस होने लगा है।

भारत अपनी तेल की जरूरतों का करीब 90 फीसदी और गैस की जरूरतों का लगभग आधा हिस्सा आयात करता है। इसके अलावा, भारत की रसोई गैस (एलपीजी) खपत का लगभग 60 फीसदी आयात से पूरा होता है और इन आयात में से लगभग 90 फीसदी होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से ही आता है। कच्चे तेल के मामले में भारत ने आयात स्रोतों में कुछ हद तक विविधता पर जोर दिया है लेकिन फरवरी 2026 में इसके आयात पोर्टफोलियो में पश्चिम एशिया की हिस्सेदारी 59 फीसदी तक पहुंच गई। इस युद्ध की शुरुआत से पहले भी, भारत का तेल और गैस आयात बिल सालाना लगभग 180 अरब डॉलर के करीब था।

जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता भारत के लिए एक प्रणालीगत सुरक्षा समस्या बन गई है। आयातित हाइड्रोकार्बन, भारत की अर्थव्यवस्था को उन क्षेत्रों से जोड़ते हैं, जिन पर इसका नियंत्रण सीमित है। जितना लंबा यह युद्ध चलेगा, भारत का आयात बिल उतना ही बढ़ेगा और उद्योग, कृषि, परिवहन और घरेलू जीवन पर दबाव लगातार बढ़ता जाएगा।

हालांकि, गैर-जीवाश्म ईंधन इस तरह के समीकरण में बदलाव ला सकता है जो वास्तव में जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता से संभव नहीं है। सोलर पीवी तंत्र अब सामान्य तौर पर 25 से 35 साल तक चलते हैं जबकि पवन टर्बाइनों की उम्र 20 से 25 साल होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि सभी जोखिम खत्म हो गए हैं। अब भी ग्रिड, स्टोरेज और विनिर्माण से संबंधित निर्भरता है जिनका प्रबंधन करना होता है। लेकिन इसका यह मतलब है कि एक बार गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता तैयार होने के बाद यह युद्ध जैसी स्थिति, नौ वहन में व्यवधान और समुद्री संकट के बीच भी काम करती रहती है। ऐसा न होने पर आयातित ईंधन की कीमतें आसमान छूने पर मजबूर होतीं।

भारत अपनी ऊर्जा क्षमता में बदलाव लाने की यात्रा में काफी आगे बढ़ चुका है और इसके पास 275 गीगावॉट से अधिक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता है। भारत ने अपनी ऊर्जा परिवर्तन यात्रा में कुछ अहम कदम उठाए हैं, लेकिन इस तरह के संकट से यह साफ हो रहा है कि जो गति अब तक अपनाई गई है, वह पर्याप्त नहीं है। भारत को अपनी ऊर्जा नीति और योजना को और तेजी से बदलने की जरूरत है ताकि भविष्य में ऊर्जा सुरक्षा बेहतर हो सके।

पहला कदम, वर्ष 2030 तक अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को 500 गीगावॉट से बढ़ाकर 1,500 गीगावॉट करना होगा। यह महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य जरूर है लेकिन असंभव नहीं। 1,500 गीगावॉट का लक्ष्य बाजार, विनिर्माताओं, राज्यों और निवेशकों को यह मजबूत संदेश देगा कि भारत अगले पांच वर्षों में ऊर्जा परिवर्तन के अगले दशक को पूरा करने की दिशा में काम कर रहा है।

दूसरा, भारत ट्रांसमिशन और इससे जुड़े बुनियादी ढांचा के काम को बाद में पूरा करने के लिए छोड़ने पर 1,500 गीगावॉट लक्ष्य के लिए गंभीरता से प्रयास नहीं कर सकता। गुजरात, राजस्थान, कर्नाटक और तमिलनाडु के अक्षय ऊर्जा से समृद्ध क्षेत्रों में ट्रांसमिशन ग्रिड को तेजी से मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि ऊर्जा आवागमन में बाधा कम आए और निकासी की प्रक्रिया तेज हो सके। अक्षय ऊर्जा को समन्वित करने के लिए स्थापित किए गए 11 अक्षय ऊर्जा प्रबंधन केंद्र एक दूरदर्शी कदम थे लेकिन अब भारत को इन केंद्रों की संख्या और क्षमता दोनों को बढ़ाने की आवश्यकता है।

तीसरा, भारत को अब अपनी रणनीति बदलते हुए अक्षय ऊर्जा से जुड़ी हुई हर निविदा में बैटरी भंडारण को अनिवार्य कर देना चाहिए। केवल सौर या केवल पवन ऊर्जा वाली निविदाओं का समय अब पीछे छूट चुका है। इसके साथ ही, पंप युक्त जल भंडारण को भी एक अभियान के तहत आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। वास्तव में, भंडारण ही वह तकनीक है जो अक्षय ऊर्जा को केवल दिन के पूरक के बजाय एक रणनीतिक बुनियादी ढांचे में बदल देती है, जिससे 24 घंटे बिजली की आपूर्ति संभव हो पाती है। इस गति को और बढ़ावा देने के लिए, भंडारण संपत्तियों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर को घटाकर 5 फीसदी किया जाना चाहिए जैसा कि वर्तमान में अधिकांश अक्षय ऊर्जा उपकरणों और उससे जुड़े कलपुर्जों के लिए लागू है।

चौथा, भारत में घरेलू ऊर्जा खपत के लिए एलपीजी का महत्त्व बहुत अधिक है, जिसके कारण हम भारी मात्रा में आयात पर निर्भर हैं। जिस तरह उजाला योजना के तहत थोक खरीद के जरिये एलईडी बल्बों की कीमतों में भारी कमी लाई गई थी, उसी तरह इंडक्शन कुकर के लिए भी मांग पर आधारित योजना शुरू की जानी चाहिए। इससे इसकी शुरुआती लागत में बड़ी गिरावट आएगी। गैस सिलिंडर वाली उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के डेटाबेस का उपयोग करके इस कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकता है।

भारत को इलेक्ट्रिक पर आधारित वाहन और इसके लिए जरूरी चार्जिंग ढांचे पर पूरी ताकत लगानी होगी। इसके लिए जरूरी होगा कि एक स्पष्ट परिवहन विद्युतीकरण का रोडमैप तैयार हो जैसे कि नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद, वर्ष 2030 तक दोपहिया और तिपहिया वाहनों का विद्युतीकरण और 2035 तक कारों और ट्रकों का पूर्ण विद्युतीकरण। इसके साथ ही, आधुनिक सेल बैटरी भंडारण के लिए उत्पादन-संबंधी प्रोत्साहन योजना को दुरुस्त करना जरूरी है जिसका अब तक खराब प्रदर्शन रहा है।

अंत में सिर्फ भंडारण से आगे बढ़कर अक्षय ऊर्जा वाले तंत्र की बेहतर क्षमता बनाने की जरूरत होगी। इसमें छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर सहित परमाणु ऊर्जा की भूमिका आती है। वर्ष 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु क्षमता का लक्ष्य रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण और अपरिहार्य होता जा रहा है।

साथ ही, भारत को एक निर्भरता से मुक्ति पाने के लिए दूसरी निर्भरता की ओर बढ़ने से बचना होगा। स्वच्छ ऊर्जा में बदलाव की प्रक्रिया तभी रणनीतिक रूप से टिकाऊ होगी, जब यह महत्त्वपूर्ण खनिज के मूल्य श्रृंखला पर भी जोर दे। चीन लगभग सभी रणनीतिक खनिजों का प्रमुख रिफाइनर बना हुआ है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी औसतन 70 से 90 फीसदी है। भारत को महत्त्वपूर्ण खनिज कच्चे माल में विविधता लानी होगी, मध्यवर्ती प्रसंस्करण क्षमता विकसित करनी होगी तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक साझेदारियों का लाभ उठाना होगा।

आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भर रहने वाले देश को इसके साथ भू-राजनीतिक जोखिम के लिए भी तैयार रहना होगा। स्वदेशी स्वच्छ ऊर्जा, विनिर्माण, भंडारण और खनिज प्रसंस्करण क्षमता विकसित करने वाला देश बाहरी झटकों का बेहतर सामना कर सकेगा। मौजूदा अनिश्चितता की स्थिति में यह एक छिपा रणनीतिक अवसर है और भारत को तत्काल कार्रवाई कर इस क्षण को ऊर्जा संप्रभुता की दिशा में निर्णायक बदलाव लाना होगा।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

# काकड़दा में गूंज रही राम कथा, 'अच्छे चित्र-अच्छे मित्र' से सशक्त चरित्र का संदेश

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** ग्राम काकड़दा में संस्था प्रह्लाद श्री एवं समस्त धर्मप्रेमी ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित रुद्र यज्ञ, श्री खाटूश्याम शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री राम कथा का भव्य आयोजन पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना रहा है।

कथा वाचक पूज्य श्री राम जाने जी महाराज (ताजपुर) श्रद्धालुओं को श्री राम कथा का रसपान करा रहे हैं। वहीं यज्ञ आचार्य पंडित विजय जी द्विवेदी (ग्राम अरलावदा) द्वारा विधि-विधान से यज्ञ सम्पन्न कराया जा रहा है। आयोजन में श्री श्री 1008 चंद्रदत्त पुरी जी महाराज का सान्निध्य भी प्राप्त हो रहा है।

कथा के दौरान महाराज श्री ने कहा कि व्यक्ति को घर में अच्छे चित्र और बाहर अच्छे मित्र रखने चाहिए, क्योंकि संगति ही चरित्र निर्माण का आधार होती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे फैशन, व्यसन और फिजूल खर्चों से दूर रहें तथा माता-पिता एवं बुजुर्गों का सम्मान करें।

19 अप्रैल को भव्य कलश यात्रा निकाली गई एवं स्व. पं. प्रह्लादसिंह जी नागर स्मृति द्वार का लोकार्पण किया गया। प्रतिदिन दोपहर 12 से 3 बजे तक राम कथा का आयोजन हो रहा है। 23 अप्रैल को शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति, महाआरती एवं भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष अनिल सिकरवार, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत, जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह तालोद, अनुसूचित जाति जिला अध्यक्ष विजय परमार, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष जीवन सिंह ठाकुर, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश इनानी, नागेंद्र सिंह राजपूत, मनोहर सिंह कराड़ा, संतोष गोस्वामी, मनोज जोशी, ओम पटेल, किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष जितेन सिंह धाकड़, उमेश पटेल एवं कुंदन ठाकुर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महाराज श्री ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों से घरों की छत एवं बालकनी में पक्षियों के लिए पानी रखने की अपील भी की। आयोजन में डॉ. रूपसिंह नागर (अध्यक्ष) एवं सुमेरसिंह नागर (संयुक्त सचिव) सहित समस्त ग्रामवासी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यह धार्मिक आयोजन समाज में धर्म, संस्कार और सेवा का सकारात्मक संदेश दे रहा है।

# नगर जनहित सुरक्षा समिति ने माता टेकरी के वन क्षेत्र में पक्षियों के लिए रखे सकोरे

**प्रतिदिन पानी डालने का भी लिया संकल्प, आमजन को भी पक्षियों के लिए सकोरे रखने के लिए किया प्रेरित**

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर जनहित सुरक्षा समिति द्वारा पक्षियों के दाना पानी की व्यवस्था की गई। माता टेकरी के रपट मार्ग, सीढ़ी मार्ग एवं पहाड़ी क्षेत्र में पक्षियों के लिए पानी से भरकर सकोरे रखे गए। उनके दाना पानी की व्यवस्था की गई। सकोरे में प्रतिदिन पानी डालने का भी संकल्प समिति सदस्य ने लिया। व्यवस्थित स्थान पर सकोरे रखे गए हैं। जहां आसानी से पानी डाला जा सके। माता टेकरी पर आने वाले भक्तों, शहर के नागरिकों को भी पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए सकोरे में पानी डालने व अपने-अपने घरों की छत पर भी सकोरे रखने व प्रतिदिन पानी डालने के लिए प्रेरित किया गया। मां चामुंडा पहाड़ी सहित गार्डन व जिस क्षेत्र में पक्षियों के झुंड हो ऐसी व्यवस्थित जगह रखे गए हैं। समिति के अनिल सिंह बेस, विनोद सिंह गौड़, सुनील सिंह ठाकुर, विजय सिंह तंवर, सुभाष वर्मा, तकिउद्दीन काजी, सतनारायण यादव, सुरेश रायकवार, उमेश राय, अनूप दुबे एवं मातृशक्ति का इस पुण्यमय कार्य में सराहनीय योगदान रहा।

# देवास पुलिस की नवाचार पहल पुलिस चौपाल को सीएम एक्सीलेंस अवार्ड

**आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित सिविल सेवा समारोह- 2026 में किया गया सम्मानित**

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश पुलिस के लिए यह एक महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि है कि जिला देवास पुलिस द्वारा संचालित सामुदायिक पुलिसिंग आधारित नवाचार पहल पुलिस चौपाल को वर्ष 2025 के लिए सीएम एक्सीलेंस (इनोवेशन) अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान आज 21 अप्रैल को आयोजित सिविल सेवा दिवस के अवसर पर आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा, अपर मुख्य सचिव (सामान्य प्रशासन विभाग), प्रशासन अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न सेवाओं के वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस एवं आईएफएस अधिकारी उपस्थित रहे। प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर्स एवं संभागायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

समारोह का आयोजन सिविल सेवा के मूल्यों- निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं जनसेवा-के प्रति प्रतिबद्धता को पुनर्स्मरण करने के उद्देश्य से किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा प्रतिपादित स्टील फ्रेम की अवधारणा का उल्लेख करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को उत्तरदायी, नैतिक एवं सतत सीखने वाला बने रहने पर बल दिया। आधुनिक तकनीकों, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, के उपयोग पर भी विशेष चर्चा की गई, जिससे शासन-प्रशासन में दक्षता एवं पारदर्शिता को और सुदृढ़ किया जा सके। पूर्व चेयरपर्सन, क्षमता विकास आयोग, भारत सरकार श्री आदिल जैनुल द्वारा मिशन कर्मयोगी एवं AI आधारित प्रशासनिक दक्षता पर व्याख्यान दिया गया।

सीएम एक्सीलेंस अवार्ड के अंतर्गत विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट नवाचारों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में देवास पुलिस की पहल सामुदायिक पुलिसिंग को सशक्त बनाने हेतु 'पुलिस चौपाल' अभियान को नागरिक सेवा प्रदाय, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुशासन श्रेणी में चयनित किया गया। इस उपलब्धि के लिए पुलिस अधीक्षक देवास श्री पुनीत गेहलोत एवं प्रधान आरक्षक श्री शिवप्रताप सिंह सेंगर (क्रमांक 770) को संयुक्त रूप से 1 एक लाख रूपए की राशि, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

देवास पुलिस की पुलिस चौपाल पहल जन सहभागिता आधारित स्मार्ट पुलिसिंग का एक प्रभावी मॉडल है, जिसने न केवल अपराध नियंत्रण में उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं, बल्कि पुलिस एवं जनता के बीच विश्वास, समन्वय एवं सहभागिता को भी सुदृढ़ किया है।

पुलिस चौपाल पहल के अंतर्गत 01 नवम्बर 2024 से 28 फरवरी 2026 की अवधि में देवास पुलिस द्वारा व्यापक जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान संचालित किया गया, जिसके तहत कुल 2807 पुलिस चौपालों का आयोजन कर लगभग 94 हजार 393 नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से जागरूक किया गया। ऑपरेशन त्रिनेत्रम के माध्यम से लगभग 10 हजार ष्ष्ट्ठञ्जङ्क कैमरों की स्थापना कर 46 ग्राम पंचायत एवं 2 नगर पंचायतों को पूर्ण ष्ष्ट्ठञ्जङ्क कवरेज में लाया गया, जिससे सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ किया गया।

सायबर अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में भी इस पहल के उल्लेखनीय परिणाम सामने आए हैं। पुलिस चौपालों के माध्यम से सायबर जागरूकता अभियान चलाकर 214 संभावित डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं को रोका गया तथा सायबर फ्रॉड में खोई हुई राशि में से लगभग 2 करोड़ 14 लाख रूपए की वापसी सुनिश्चित की गई। इसके साथ ही डिजिटल कम्युनिटी नेटवर्क को सशक्त करते हुए प्रत्येक ग्राम स्तर पर लगभग 1100 व्हाट्सएप समूहों का गठन किया गया, जिनसे लगभग 22 हजार युवाओं को जोड़ा गया, जिससे अपराधों के त्वरित अनावरण में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई।

पुलिस चौपाल पहल के सकारात्मक प्रभाव से जिले में हत्या, हत्या के प्रयास, छेड़छाड़ तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। इसके साथ ही चोरी के मामलों में भी गिरावट आई है, जबकि संपत्ति संबंधी अपराधों में रिकवरी दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कार्यक्रम में 'साधना सप्ताह' के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोक सेवकों को भी सम्मानित किया गया, जो प्रशासनिक कार्य संस्कृति में अनुशासन एवं उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। समारोह का समापन मध्यप्रदेश पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान की गरिमामयी प्रस्तुति के साथ हुआ।

# सरकारी जमीन पर दोबारा अतिक्रमण, पूर्व सरपंच ने की सख्त कार्रवाई की मांग

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के टोंकखुर्द तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत हरनावदा में शासकीय भूमि पर दोबारा अतिक्रमण का मामला सामने आया है। इस संबंध में पूर्व सरपंच इंदर सिंह चावड़ा ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रार्थी इंदर सिंह चावड़ा ने बताया कि ग्राम पंचायत हरनावदा की शासकीय भूमि पर वासुदेव सोलंकी द्वारा पहले भी अवैध कब्जा किया गया था। ग्रामीणों की शिकायत के बाद तहसीलदार टोंकखुर्द द्वारा विभिन्न आदेशों के माध्यम से कार्रवाई करते हुए जेसीबी से अतिक्रमण हटाया गया था और वहां शासकीय भूमि का बोर्ड भी लगाया गया था। हालांकि, आरोप है कि वासुदेव सोलंकी ने उक्त बोर्ड को तोड़कर पुनः उसी भूमि पर अवैध निर्माण कर अतिक्रमण कर लिया है। इस घटना से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और प्रशासन की कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस संबंध में पूर्व में भी शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व सरपंच ने कलेक्टर से मांग की है कि उक्त शासकीय भूमि से पुनः अतिक्रमण हटाया जाए तथा आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

# आधार अपडेट के लिए विशेष अभियान 25 अप्रैल को, देवास जिले के डाकघरों में मिलेगी सुविधा

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आम नागरिकों की सुविधा के लिए 25 अप्रैल 2026 (शनिवार) को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक जिला देवास के विभिन्न डाकघरों में आधार नामांकन एवं अपडेट हेतु विशेष अभियान आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के तहत प्रधान डाकघर देवास सहित सोनकच्छ, हाटपिपलिया, कन्नौद, खातेगांव एवं बागली डाकघरों में नागरिक अपने आधार कार्ड से जुड़े आवश्यक संशोधन जैसे नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट आसानी से करवा सकेंगे। यह सेवा भारत सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क पर उपलब्ध रहेगी। अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए संबंधित डाकघरों में अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे अधिक से अधिक लोगों को त्वरित और सहज सेवा मिल सके। पोस्टमास्टर, प्रधान डाकघर देवास ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष अभियान के लिए 23 एवं 24 अप्रैल 2026 को संबंधित डाकघरों में टोकन वितरित किए जाएंगे। इच्छुक नागरिकों से अपील की गई है कि वे समय रहते टोकन प्राप्त कर लें, ताकि 25 अप्रैल को अपने आधार संबंधी कार्य बिना किसी परेशानी के पूर्ण करा सकें। पोस्टमास्टर प्रधान डाकघर, देवास सभी नागरिकों से आग्रह है कि इस विशेष अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथि और समय पर संबंधित डाकघरों में पहुंचें।

# जनसुनवाई में 91 आवेदन प्राप्त

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत मंगलवार को संपन्न हुई जनसुनवाई में 91 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई कलेक्टर ऋजु बाफना ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान, अनुविभागीय अधिकारी मनीषा वास्कले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

## निगम मंडल या सर्विस सिक्योरिटी एक्ट बने, बिना ठोस कारण न छीनी जाए नौकरी

**शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय मजदूर संघ ने मंगलवार को आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक 17 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा है। मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे संघ के पदाधिकारियों ने एसडीएम मनीषा वास्कले को यह मांग पत्र दिया।

आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए अलग निगम मंडल या सर्विस सिक्योरिटी एक्ट बनाने की मांग की गई है। संघ का कहना है कि समान काम के लिए समान वेतन दिया जाए और बिना किसी ठोस जांच या कारण के कर्मचारियों को नौकरी से हटाने पर रोक लगाई जाए। साथ ही नियमित पदों पर कार्यरत कर्मचारियों की सेवा अवधि 62 वर्ष तक करने की मांग भी शामिल है। ज्ञापन में कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए दुर्घटना बीमा राशि को बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने और ईएसआई समेत ईपीएफ का लाभ अनिवार्य रूप से देने की बात की भी मांग की। संघ ने मांग की है कि ठेका प्रथा को खत्म किया जाए और कर्मचारियों का वेतन सीधे विभाग के माध्यम से उनके खातों में भेजा जाए। इसके अलावा वेतन भुगतान हर महीने की 7 तारीख तक करने और अनुभव के आधार पर पदोन्नति देने की मांग भी उठाई गई है। भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि इन 17 सूत्रीय मांगों पर जल्द ही निराकरण नहीं किया गया, तो आने वाले समय में उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान जिला मंत्री राजेंद्र वर्मा और संगठन मंत्री अशोक राठौर समेत बड़ी संख्या में संघ के सदस्य और विभिन्न विभागों के आउटसोर्स कर्मचारी कलेक्ट्रेट परिसर में मौजूद थे।

# जनसुनवाई में अपर कलेक्टर संजीव जैन ने नागरिकों की समस्याएं सुन अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला मुख्यालय पर मंगलवार को अपर कलेक्टर संजीव जैन ने जनसुनवाई में आये आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अपर कलेक्टर जैन ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

कृषि भूमि पर जाने के लिए रास्ता खुलवाया जाये- जनसुनवाई में आवेदक शराफत खां, छोटे खां, शरीफ खां निवासी होशियाराखेडी ने कृषि भूमि पर जाने के लिए रास्ता खुलवाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

अवकाश नगदीकरण एवं वेतन वृद्धि का एरियर दिलाया जाये- जनसुनवाई में आवेदक पुरूषोतम जोशी ने अवकाश नगदीकरण एवं वेतन वृद्धि का एरियर दिलाया के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

शासकीय पट्टे वाली भूमि पर कब्जा दिलाया जाये- जनसुनवाई में आवेदक केदार पिता मांगीलाल निवासी सुकेडी तहसील खातेगांव ने शासकीय पट्टे वाली भूमि पर कब्जा दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

बीमा राशि दिलाई जाये- जनसुनवाई में आवेदक रामेश्वर पिता सालगराम निवासी इकलेरा माताजी तहसील टोंकखुर्द ने वर्ष 2018-19 कर्ज माफी एवं 2018-19 तथा 2021 का बीमा दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

भूमि का सीमांकन कराया जाये- जनसुनवाई में राजेन्द्र कुमार गुप्ता पिता राधेश्याम गुप्ता ने भूमि का सीमांकन कराने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

ये आवेदन भी हुए प्राप्त- जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

# बस बनी आग का गोला, 70 बारातियों ने कूदकर बचाई जान

**ग्राम सनकोटा के पास हुआ हादसा, चालक-परिचालक फरार**

**शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला मुख्यालय से करीब 7 किमी दूर ग्राम सनकोटा में बारातियों से भरी बस चलते-चलते अचानक आग का गोला बन गई। गनीमत रही कि आगजनी होते ही सभी यात्री सचेत हो गए और सभी ने कूदकर अपनी जान बचाई और कोई जनहानि नहीं हुई। इधर आगजनी होते ही बस चालक और परिचालक वाहन छोड़कर फरार हो गए।

आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी बस जलकर खाक हो गई। बस में सवार करीब 60 से 70 बारातियों ने सूझबूझ दिखाते हुए कूदकर अपनी जान बचाई। लेकिनयात्रियों का सामान जलकर नष्ट हो गया। बारातियों ने बताया कि बस में सामान के साथ-साथ नगदी भी रखा हुआ था वह भी इस आगजनी की भेंट चढ़ गया।

5 फायर ब्रिगेड की मदद से पाया काबू- बस इंदौर से गुना जिले के शडोरा जा रही थी। इसी दौरान अचानक बस से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शाजापुर और मक्सी से फायर ब्रिगेड की कुल पांच गाड़ियां बुलवाई गईं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी यशपाल सिंह राजपूत, एसडीएम मनीषा वास्कले और तहसीलदार सुनील पाटिल मौके पर पहुंचे। बाद में कलेक्टर ऋजु बाफना ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। प्रशासन ने सभी यात्रियों को पास के एक ढाबे पर सुरक्षित ठहराया और उन्हें गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरी बस की व्यवस्था की।

बच्चे ने बताया पापा आग लग गई- सभी बाराती ब्याह की खुशियां मना रहे थे। किसी को भी यह आभास नहीं था कि उनके साथ हादसा होने वाला है। गनीमत रही कि एक बच्चा केबिन में बैठा हुआ था जिसे कुछ परेशानी हुई तो उसने अपने पिता को बताया। जब बच्चा सीट से उठा तो उसके पैर जलने लगे। तब उसने अपने पिता को इस बारे में बताया तो सभी के होंश उड़ गए। इसके बाद चालक ने बस रोकी। इसके बाद किसी ने बस के कांच तोड़े तो किसी ने गेट खोला और किसी ने पीछे का कांच खोलकर अपनी जान बचाई।

हादसे के बाद हाईवे पर लगा जाम- घटना के चलते हाईवे के एक हिस्से पर यातायात बाधित हो गया, जिससे कुछ समय के लिए जाम जैसी स्थिति बन गई। यातायात पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक तरफ से वाहनों की आवाजाही शुरू कराई। बाद में क्रेनों की मदद से जली हुई बस को हटाया गया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद बस चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

# नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पक्ष-विपक्ष ने किया समर्थन, पानी की समस्या को लेकर बिफरा विपक्ष

**नपा परिसर में किया मटकी फोड़ प्रदर्शन, कई वार्डों के रहवासी झेल रहे अघोषित जल संकट**

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर पालिका परिषद में मंगलवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम ध्वनि मत से पारित किया गया। इस अधिनियम को पक्ष और विपक्ष दोनो ने अपना समर्थन दिया और सभी की सहमति से इसे पास किया गया। इसके बाद नगर पालिका में विपक्ष ने जोरदार हंगामा करते हुए नगर की पानी की समस्या को उठाया। इस दौरान कांग्रेसियों ने नगर पालिका में मटकी फोड़ प्रदर्शन किया।

दरअसल नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए मंगलवार को नगर पालिका परिषद का विशेष सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में भाजपा के 26 तथा कांग्रेस के 3 पार्षदों ने अपना समर्थन दिया और बाद में इसे ध्वनि मत से पारित किया गया। सभी ने इसे नारी के विकास में अहम कदम बताया और अपना समर्थन दिया।

जल संकट को लेकर बिफरा विपक्ष, फोड़ी मटकी- विशेष सम्मेलन के बाद कांग्रेसियों ने सभाकक्ष से बाहर आकर नगर पालिका परिषद में मटकी फोड़ प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि कई वार्डों के रहवासी इन दिनों जलसंकट झेल रहे हैं। नपा के नेता प्रतिपक्ष अजीज मंसूरी ने बताया कि कई वार्डों में 15 से 20 मीनिट ही नल दिए जा रहे हैं और वह भी कम प्रेशर से जिससे उनकी जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। जबकि कई बार इस मामले को लेकर सीएमओ साहब से चर्चा कर मांग की जा चुकी है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि हम तो विपक्ष में हैं। भाजपा के ही लोगों की बात सीएमओ साहब अनसुना कर रहे हैं। जिसका खामियाजा जनता भुगत रही है। जिसके चलते नपा परिसर में मटकी फोड़कर जिम्मेदारों को नगरवासियों की समस्या बताने का प्रयास किया गया है।

नगर में नहीं जलसंकट, बिजली कटौती है परेशानी- इस मामले को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन ने बताया कि नगर में किसी प्रकार का जलसंकट नहीं है। कहीं पानी की समस्या है तो वह बिजली कटौती कमे कारण हो रही होगी। क्योंकि बिजली न होने के कारण पानी सप्लाय में परेशानी आती है। इस समस्या का भी समाधान किया जाता है और जहां नलों के माध्यम से पानी नहीं पहुंच पाता वहां नगर पालिका द्वारा निःशुल्क टेंकर भेजे जाते हैं ताकि लोगों की जलापूर्ति हो सके।

# अक्षय तृतीया पर गूंजी शहनाइयां- यादव उत्थान समिति के 36वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में 12 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** यादव उत्थान समिति मालवांचल द्वारा अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर 36वें सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जलोदिया स्थित विमलाकुंज मैरिज गार्डन में आयोजित इस मांगलिक कार्यक्रम में समाज के 12 जोड़े परिणयसूत्र बंधन में बंधे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष मथुरालाल झड़ ने की। समारोह में मुख्य अतिथि विधायक जितेंद्र सिंह पंड्या उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि अंतर सिंह देवड़ा और पूर्व विधायक शांतिलाल धबाई ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस गरिमामय अवसर पर समाज के कई प्रमुख जन प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे, जिनमें नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव, विजय यादव, गीतांश मथुरा लाल यादव, जेपी यादव, उमाशंकर यादव, पूर्व अध्यक्ष पूनमचंद यादव एवं प्रकाश भाकर प्रमुख थे।

कार्यक्रम के दौरान समिति द्वारा एक विशेष सम्मान का आयोजन किया गया, जिसमें भूमि दानदाता रणछोड़ लाल यादव (सदावल, उज्जैन) का भव्य स्वागत किया गया और उन्हें साफा बांधकर सम्मानित किया गया। समारोह में पधारे सभी अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। सामूहिक विवाह समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन और परिजनों ने उपस्थित होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। संचालन सचिव लखन यादव द्वारा किया गया, वहीं आभार महासचिव ओम प्रकाश यादव ने माना।

## राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल के राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत देपालपुर विकासखण्ड में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

**देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** देपालपुर विकासखण्ड के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर के अतंर्गत आने वाले समस्त गांवों में रहने वाली समस्त असुरक्षित जनसंख्या जिनमें सभी मधुमेह के रोगियों,सभी भूतपूर्व क्षय रोगी जिन्हें पिछले पांच वर्षों में क्षय रोग हुआ था और उनके संपर्क में पिछले तीन वर्षों में आने वाले सभी संपर्क व्यक्ति, क्षेत्र में निवासरत सभी शराब और तम्बाकू उत्पादों का उपयोग करने वाले व्यक्ति,सभी साठ वर्ष से अधिक उम्र वाले व्यक्ति, सभी कुपोषण की शिकार जनसंख्या जिनका बॉडी मॉस इंडेक्स अथवा शरीर द्रव्यमान सूचकांक अठारह दशमलव पांच से कम हो ऐसे सभी लोगों में क्षय रोग होने की संभावना होती है अतः इन सभी व्यक्तियों की जांच हेतु दिनांक 23 अप्रैल गुरुवार से आगामी 100 दिवस तक प्रतिदिन आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन ग्राम स्तर पर किया जाएगा। इन शिविरो में चलित एक्स रे मशीन रहेगी इन व्यक्तियों के खखार परीक्षण, ट्रू नाट मशीन से जांच, रक्त शर्करा खून की जांच, रक्तचाप आदि की निःशुल्क जांच ग्राम स्तर पर की जाएगी देपालपुर विकासखण्ड की मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ वंदना केसरी मैडम और जिला क्षय अधिकारी डॉ शैलेन्द्र जैन सर द्वारा यह जानकारी दी गई।

## सदाचार और संस्कारयुक्त जीवन अपनाने का संदेश

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** हमें जीवन में सदाचार का मार्ग अपनाना चाहिए। वेद मार्ग लोक कल्याण का मार्ग है। हमें अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक शिक्षा भी देना चाहिए। संयुक्त परिवार में रहना सीखना चाहिए, क्योंकि वहीं संस्कारों का उदय होता है। हमारे घरों में नित्य घर सभा होना चाहिए। फास्ट फूड और जंक फूड से बच्चों को दूर रखना चाहिए। मां अपने बच्चों को अपने हाथों से बना भोजन खिलाए, जिससे वात्सल्य भाव उत्पन्न होता है। उक्त उद्गार स्वामी नारायण संप्रदाय के संत सुदर्शन स्वामीजी ने व्यक्त किए। उनके साथ भक्ति मंगल स्वामीजी भी उपस्थित थे। दोनों संत जयपुर से पधारे थे। उन्होंने यह विचार स्वामी नारायण संप्रदाय के भक्त पंडित रामनिवास नवहाल के निज निवास पर व्यक्त किए। इस अवसर पर स्वामीजी का चरण पूजन सत्यनारायण शर्मा, सवारियां शर्मा,अरविंद व्यास,शेरसिंह झाला, हीरालाल चौहान एवं रामनिवास नवहाल ने किया। स्वस्ति वाचन राजकुमार शर्मा ने किया। अंत में स्वामीजी का आभार श्रीनाथ नवहाल ने माना।

# भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर बदनावर नगर भक्तिमय रंग में सराबोर नजर आया

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर बदनावर नगर भक्तिमय रंग में सराबोर नजर आया। ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित इस भव्य आयोजन ने पूरे नगर में आस्था, परंपरा और सामाजिक एकता का अनुपम संदेश दिया।

सुबह से ही उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रातःकाल विधि-विधान से भगवान परशुराम जी की प्रतिमा का पूजन एवं अभिषेक आचार्य मंगलेश शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया। इसके पश्चात महाप्रसादी वितरण कर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत श्री महर्षि परशुराम गुरुकुल वाटिका में प्रस्तावित निर्माण कार्य का भूमि पूजन नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव, पार्षद जितेंद्र शर्मा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इसके बाद समाजजनों ने लक्ष्मी गौशाला पहुंचकर गौ सेवा कर पुण्य अर्जित किया और गौ माता का आशीर्वाद लिया।

सायंकाल 6 बजे पंढरीनाथ मंदिर, दुर्गा चौक से भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा बैंड-बाजों और ढोल-ताशों के साथ निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ समाज अध्यक्ष दीपक द्विवेदी एवं महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजू लिटोरिया के सम्मान के साथ हुआ।

शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर नृत्य करते हुए आगे बढ़े। नगर के विभिन्न स्थानों पर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

यात्रा का समापन श्री महर्षि परशुराम गुरुकुल वाटिका पर हुआ, जहां महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ आयोजन सम्पन्न हुआ। अंत में सभी समाजजनों ने स्नेहपूर्वक भोजन प्रसादी ग्रहण की।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन, पूर्व पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में विप्र बंधु उपस्थित रहे। आयोजन की सफलता पर समाज अध्यक्ष दीपक द्विवेदी एवं महिला मंडल अध्यक्ष मंजू लिटोरिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। जानकारी ब्राह्मण समाज मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने दी।

## अनुपयोगी व खुले नलकुपों/बोरवलों को मजबूत ढक्कनों से बंद करने के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में एवं अन्य संचार माध्यमों से प्राप्त तथ्यों के आधार पर जिले में खुले बोरवेल/ट्यूबवेल निजी भूमि या सरकारी भूमि पर स्थित भू-स्वामी एवं शासकीय संस्था द्वारा बोरवेल/ट्यूबवेल अनुपयोगी होने पर उसे खुला छोड़ दिया जाता है, इस गम्भीर लापरवाही के कारण बच्चे/पशु के बोर में गिर जाने की घटना घटित होने की प्रबल आशंका बनी रहती है। उक्त घटनाओं की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झाबुआ जिले की राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश किया। बोर खनन करते समय भूमि स्वामी एवं बोर खननकर्ता किसी भी स्थिति में बोर का मुख खुला नहीं छोड़ेगा। जिन बोरवेल में पानी नहीं है तथा जिन्हें उपयोग में नहीं लाया जा रहा है उन बोरवेल को भूमि स्वामी/मकान मालिक/संस्था प्रमुख खुला नहीं रखेगें। भूमि स्वामी/मकान मालिक/संस्था प्रमुख समस्त बोरवेल को लोहे की प्लेट/सीमेंट या मजबूत केप से बंद किए बिना नहीं रखेगें। चूंकि यह आदेश जन साधारण की सुविधा हेतु तत्काल प्रभावशील किया जाना आवश्यक हो गया है। इसलिए इतना समय उपलब्ध नहीं है कि, जन सामान्य व सभी पक्षों को उक्त सूचना की तामिली की जा सके।

## बड़नगर पुलिस की नशामुक्ति अभियान के तहत लगातार तीसरी कार्यवाही

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** दिनांक- 20 अप्रैल को मुखबीर ने थाने पर उपस्थित आकर बताया कि एक व्यक्ति जिसने सफेद रंग शर्ट व काले रंग का पेंट पहने हनुमान मंदिर कैसुर रोड़ ग्राम भोमलवास के पास हाथ मे सफेद रंग की थैली लिए खड़ा है जिसके पास मादक पदार्थ गांजा हो सकता है जो कही जाने के लिये खड़ा है। तत्काल थाना प्रभारी निरी.अशोक पाटीदार के निर्देशन मे उनि.चांदनी पाटीदार तथा उनकी टीम द्वारा मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान पर पहुचे जहां देखा तो मुखबिर के द्वारा बताये गये हुलिये के अनुसार एक व्यक्ति पुलिस को आता देख भागने का प्रयास करने लगा जिसे हमराह फोर्स द्वारा पकड़ लिया गया । निगाह में रख कर संदेही का नाम पता पुछते उसने अपना नाम भमरसिंह पिता भारतसिंह जाति राजपूत उम्र 52 साल निवासी कानवन जिला धार का होना बताया संदेही ने हाथ मे ली सफेद रंग की थैली की तलाशी लेते थैली के अंदर हरें रंग पारदर्शी पॉलीथीन मे हरें रंग का अवैध मादक पदार्थ गांजा जैसा लग रहा है जिसे सुघने पर तीक्ष्ण गंध आ रही थी अनुभव के आधार पर अवैध मादक पदार्थ गांजा ही है। उक्त आरोपी से गांजे के बारे मे पुछने पर आरोपी द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा बदनावर तरफ से लाना बताया आरोपी के कब्जे से 01 किलो 114 ग्राम गांजा जप्त किया जिसकी कीमत 32000/-रुपये है उक्त प्रकरण मे थाना बड़नगर पर अपराध क्रमांक 231/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना मे है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व मे थाना कानवन जिला धार पर मारपीट का प्रकरण पंजदीबंद्ध है । आरोपी से गांजे के संबंध मे पुछताछ की जा रही है।

सराहनीय भूमिका- निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार , उनि.सुरेन्द्रसिंह गरवाल , उनि.चाँदनी पाटीदार, प्र.आर.राहुलसिंह राठौर, आर.महेश मौर्य, आर.अजय चौहान, आर.नारायण सरा, आर.मनोज बैरागी , आर.शोभित शुक्ला, आर.अश्विनी पाठक, मआर.ज्योति हाड़ा, सै.अमरसिंह, सै.राजेश धनेश्वर की सराहनीय भुमिका रहा।

# शासनमाता स्मृति स्थल वात्सल्य पीठ का भव्य उद्घाटन

नई दिल्ली। शासनमाता, असाधारण साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के समाधि स्थल पर निर्मित 'वात्सल्य पीठ' का भव्य उद्घाटन समारोह श्रद्धा, गरिमा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर शासनश्री मुनिश्री विमलकुमार, बहुश्रुत मुनिश्री उदितकुमार, डॉ. मुनिश्री अभिजीतकुमार एवं साध्वी कुंदनरेखा के पावन सान्निध्य ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊँचाइयों से अनुप्राणित किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के भारत सरकार के राज्यमंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा मुख्य अतिथि, प्रख्यात उद्योगपति श्रीमती सावित्री जिंदल विशिष्ट अतिथि तथा जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष महेंद्र नाहटा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, आचार्य महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तित्वों ने अपनी उपस्थिति से समारोह की गरिमा बढ़ाई।

केंद्रीय मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि यह अवसर केवल एक स्मारक के उद्घाटन का नहीं, बल्कि एक दिव्य चेतना के पुनः प्रतिष्ठापन का क्षण है। उन्होंने साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी को वात्सल्य, करुणा और संवेदना की साक्षात् प्रतिमूर्ति बताते हुए कहा कि वात्सल्य पीठ आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जीवंत प्रेरणा केंद्र सिद्ध होगा।

मुनि विमल कुमार जी ने कहा कि वात्सल्य केवल भावना नहीं, बल्कि साधना की पराकाष्ठा है, जिसे शासन माता ने अपने जीवन में जिया। मुनि उदितकुमार जी ने कहा कि उनका जीवन संयम और संतुलन का अद्भुत उदाहरण है, यह स्थल आत्मिक शांति का अनुभव कराएगा। डॉ. मुनिश्री अभिजीतकुमार एवं साध्वी कुंदनरेखा ने शासनमाता के प्रति समर्पित अपनी कविता और उद्गार व्यक्त किए। श्रीमती सावित्री जिंदल ने इसे अपने जीवन का सौभाग्यपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि वात्सल्य पीठ करुणा, ममता और साधना का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने साध्वीप्रमुखा को नारी शक्ति की प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके जीवन को महिलाओं के लिए मार्गदर्शक बताया।

महासभा अध्यक्ष श्री महेंद्र नाहटा ने कहा कि यह केवल वात्सल्य पीठ का उद्घाटन नहीं, बल्कि एक जीवंत आध्यात्मिक चेतना एवं उससे जुड़ी स्मृतियों का उत्सव है। उन्होंने इसे करुणा और साधना का दिव्य तीर्थ बताते हुए विश्वास जताया कि यह पीठ आने वाली पीढ़ियों को दिशा प्रदान करेगी। आचार्य महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी ने कहा कि यह वात्सल्य पीठ शासनमाता के जीवन मूल्यों का साकार रूप है, जो समाज को सेवा, संयम और समर्पण की प्रेरणा देगा। उन्होंने युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण के दिल्ली के प्रति विशेष अनुकंपा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह स्थल साधना और संस्कारों का ऐसा केंद्र बनेगा, जहाँ से नई पीढ़ी जीवन के सही मार्ग को पहचान सकेगी।

इस अवसर पर जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा दिल्ली के अध्यक्ष श्री सुखराज सेठिया ने साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा के बहुआयामी व्यक्तित्व और उनकी साहित्यिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्हें तुलसी की अनुपम कृति बताया। कार्यक्रम में वात्सल्य पीठ के समन्वयक श्री लक्ष्मीपत बोथरा ने निर्माण कार्य की विशेषताओं को रेखांकित किया, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन महामंत्री श्री प्रमोद घोड़ावत ने किया। युवा गौरव श्री पुखराज सेठिया ने साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को व्यक्त किया।

इस पावन अवसर पर निर्माण कार्य एवं अन्य व्यवस्थाओं में सहभागी रहे समस्त कार्यकर्ताओं को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विशेष अनुदानदाता श्री विकास मालू की मातोश्री ने भी इस अवसर पर अपने भावपूर्ण उद्गार व्यक्त करते हुए इस पावन कार्य को एक आध्यात्मिक पुण्य बताया। समारोह में सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि वात्सल्य पीठ केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि करुणा, साधना और आत्मिक उत्थान का जीवंत केंद्र बनेगा। यह स्थल आने वाले समय में श्रद्धा, प्रेरणा और आध्यात्मिक ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण तीर्थ बनकर उभरेगा, ऐसी भावनाएं व्यक्त की।

## समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की गहन समीक्षा

**खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मिलिंद कुमार नागदेवे ने की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं जनहित से जुडे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जनगणना, गेहूं उपार्जन, पेयजल, स्वास्थ्य, जल संरक्षण, कृषि, राजस्व एवं सामाजिक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में गेहूं उपार्जन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए पेयजल, छाया एवं टेंट की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।इस दौरान जनगणना कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए कि समस्त नगर पालिकाओं, जनपद पंचायतों एवं बडे हाट बाजारों में स्थाई पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही कॉलेजों एवं स्कूलों में रूफ हार्वेस्टिंग के कार्य शीघ्र प्रारंभ करने, अमृत सरोवर एवं बलराम तालाब के कार्य लक्ष्यानुसार शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। नाले-नालियों की सफाई का कार्य निरंतर जारी रखने पर भी जोर दिया गया। बैठक में परियोजना अधिकारी को शहर में स्थित जीर्ण-शीर्ण भवनों की मरम्मत के निर्देश दिए गए। जल संसाधन विभाग की समीक्षा के दौरान पानी की टंकियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में एचपीवी टीकाकरण की प्रगति पर चर्चा करते हुए शेष बचे टीकाकरण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

## जनगणना 2027 के तहत द्वितीय बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों के द्वितीय बैच का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को जनगणना की प्रक्रिया, प्रपत्रों के सही उपयोग तथा डाटा संकलन के विभिन्न पहलुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य को पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं सटीकता के साथ संपादित करने के निर्देश दिए।

## स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों का व्यापक निरीक्षण

**खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को लेकर नगर पालिका परिषद खरगोन द्वारा जमीनी स्तर पर सघन निरीक्षण किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री कमला कोल ने कुंदा नदी, उससे जुडे नालों तथा सार्वजनिकसामुदायिक शौचालयों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रहवासियों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर यह पाया गया कि कुछ नालों का दूषित पानी कुंदा नदी में मिल रहा है, जिससे नदी में बदबू एवं प्रदूषण की स्थिति निर्मित हो रही है। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए काला देव मंदिर के पास स्थित नाले को एसटीपी प्लांट से जोडने के निर्देश दिए गए। बंद पडे 5000 लीटर प्रति घंटा क्षमता वाले एसटीपी प्लांट को शीघ्र चालू कर नाले के पानी को फिल्टर कर नदी में छोडे जाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही वाटर प्लस प्रोटोकॉल अंतर्गत वार्ड क्रमांक 17, टवडी मोहल्ला में स्थित सार्वजनिक शौचालय का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में शौचालयों की स्थिति जीर्ण-शीर्ण पाए जाने पर तत्काल मरम्मत, जीर्णोद्धार एवं नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

# क्रोध करने से शरीर व आत्मा दोनों का नुकसान होता है, साध्वी शीतलप्रभाजी ने श्री वर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ में धर्मसभा में कहा

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इस आत्मा से ऐसा पुरुषार्थ करें कि यह आत्मा परमात्मा बनकर मोक्ष को प्राप्त कर सके। इसके लिए क्रोध पर नियंत्रण करना पड़ेगा। क्रोध करके व्यक्ति अपने आप को महान समझता है कि मैं सभी को वश में कर लूंगा। लेकिन वह यह नहीं जानता की क्रोध करने से कर्म का बंधन होता है। व्यक्ति क्रोध करता है तो उसके शरीर एवं आत्मा दोनों का नुकसान होता है। ये प्रेरणादायी विचार जिनशासन गौरव आचार्यश्री उमेशमुनिजी के सुशिष्य धर्मदास गणनायक प्रवर्तकश्री जिनेंद्रमुनिजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री शीतलप्रभाजी ने श्री वर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ में मंगलवार 21 अप्रैल को धर्मसभा में व्यक्त किए। बखतगढ़ गौरव साध्वीश्री धैर्यप्रभाजी, पुण्यपुंज श्री पुण्यशीलाजी, श्री किरणबालाजी, श्री शीतलप्रभाजी, श्री सारिकाजी, श्री चतुर्गुणाजी, श्री करुणाजी, श्री कृतज्ञाजी ठाणा 8 के सानिध्य का श्रीसंघ पूरा पूरा लाभ ले रहा है।

क्रोध करने के दौरान अहंकार आ जाता है- साध्वीजी ने आगे कहा कि श्रावक - श्राविकाएं पांचवें गुण स्थान पर है और साधु साध्वी छठे गुण स्थान पर है। जीव के दसवें गुण स्थान पर पहुंचने के बाद उसमें क्रोध कम हो जाता है। वैज्ञानिक ने भी शोध करके बताया है कि 15 मिनट का क्रोध व्यक्ति के 8=30 घंटे की शक्ति को क्षीण कर देता है। इसलिए जीव को जब भी क्रोध आए उस समय मौन हो जाना चाहिए। क्योंकि मौन होने से शांति का अनुभव होता है। क्रोध करने के दौरान व्यक्ति के सामने अहंकार आकर खड़ा हो जाता है। वास्तविक जीवन में छोटी-छोटी बातों को पकड़ने की बजाय उन बातों पर ध्यान ही नहीं देना चाहिए।

जीवन में सुख को छोड़ना पड़ेगा- साध्वीश्री सारिकाजी ने कहा कि जीवन में जीव सुख छोड़ेंगे तो पाप छूट जाएगा और पाप छूटा तो दुःख आएगा ही नहीं। संसार में जितने भी साधन है, उसमें जीव ने सुख समझा है। जीव भ्रम में जी रहा है। सुख के साधन पाप बढ़ाने वाले हैं। तीर्थंकर भगवान के पास बहुत सुख एवं सिद्ध भगवान के पास अनंत सुख है। लेकिन कर्म किसी को भी नहीं छोड़ता है। स्वयं तीर्थंकर भगवान को भी कर्मों ने नहीं छोड़ा। कर्म तो कभी भी किसी भी भव में उदय में आ सकते हैं। जीव पाप करता है हंसता हुआ और भोक्ता है तब दुख होता है। संसार के सुख भौतिक एवं क्षणिक सुख हैं जबकि आत्म कल्याण के लिए शाश्वत सुख आने के बाद जाता नहीं है। जीव को शरीर के सुख के लिए नहीं अपितु आत्मा के सुख के लिए प्रयास करना चाहिए।

## भारतीय जैन संगठना का सराहनीय कदमः 'खिलौना बैंक' से बच्चों के चेहरे खिलेंगे

**नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** समाज सेवा की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए भारतीय जैन संगठना (बीजेएस) नागदा शाखा ने मंगलवार को वार्ड क्रमांक 18 स्थित आंगनवाड़ी में 'खिलौना बैंक' का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य आंगनवाड़ी में आने वाले नन्हे बच्चों तक नए एवं अच्छी स्थिति वाले उपयोग किए गए खिलौने पहुंचाकर उनके बचपन में खुशियां जोड़ना है।

मीडिया प्रभारी अनुज नाहर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना समाज के हर वर्ग को सेवा से जोड़ने का एक माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों में रखे ऐसे खिलौने, जो अब उपयोग में नहीं हैं लेकिन अच्छी स्थिति में हैं, दान करें ताकि वे जरूरतमंद बच्चों के चेहरे पर मुस्कान ला सकें। इसके अलावा इच्छुक लोग आर्थिक सहयोग देकर भी इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभा सकते हैं।

नाहर ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता अंकुर जैन ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में CDPO मुकेश वर्मा एवं सुपरवाइज़र टीना बैरागी उपस्थित रहीं। विशेष अतिथि के रूप में जिला सचिव अंजुली कंठेड़ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम का सफल संचालन अमित बम द्वारा किया गया तथा अंत में सचिव मयंक चपलोत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर संगठन के संस्थापक शांतिलाल मुथ्था ने देशभर के सभी चैप्टर्स को इस पहल की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में धर्मेंद्र बम, आशीष पोखरना, अभिषेक कोलन, हितेश कांठेड़, अनमोल जैन, मनोज कोठारी, सरिता सकलेचा, विभा बम, रीना कोठारी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## नगर में छोटे नोट और रेज़गारी की किल्लत व्यापारी महासंघ द्वारा बैंक प्रबंधकों से की मुलाकात

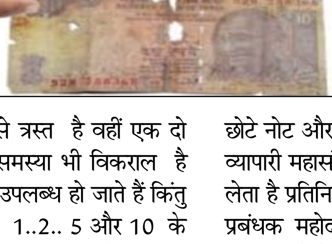

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** नगर में छोटे बड़े व्यवसाययों को खुल्ले छोटे नोटों एवं सिक्कों के कमी विगत कई महीनो से खल रही है छूटकर व्यापार करने वाले व्यापारी इस समस्या से सर्वाधिक रूप से त्रस्त है वहीं एक दो पांच दस रुपए के सिक्कों की समस्या भी विकराल है नगर में बड़े नोट तो आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं किंतु जब खरीदी बिक्री के समय छोटे 1..2.. 5 और 10 के नोट की आवश्यकता होती है तब सहज रूप से उपलब्ध नहीं हो पाते हैं इसलिए खरीदी करने वालों और बेचने वाले व्यवसायियों दोनों को मानसिक रूप परेशान होना पड़ता है महासंघ के सचिव राजकुमार नाहर ने जानकारी में बताया कि उक्त समस्याओं के निराकरण के लिए नगर के व्यापारियों की सर्वोपरि संस्था व्यापारी महासंघ द्वारा नगर के स्टेट बैंक ऑफ़ इंदौर पंजाब नेशनल बैंक स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के प्रबंधक महोदय से मुलाकात कर उपरोक्त समस्याओं से अवगत कराया गया तथा कहा गया कि आप व्यापारियों के हित में छोटे नोट और चिल्लर की व्यवस्था उपलब्ध करा दीजिए व्यापारी महासंघ नगर में वितरित करने के पूर्ण जिम्मेदारी लेता है प्रतिनिधि मंडल की बात को संज्ञान में लेते हुए प्रबंधक महोदय द्वारा आशान्वित किया गया कि उक्त समस्या को हेड ऑफिस अवगत करा दिया गया हे शीघ्र ही समस्या का समाधान होगा इस अवसर पर महासंघ अध्यक्ष मांगीलालओरा के साथ पदाधिकारी सुभाष वोहरा संजय स्टोर्स निलेश काला पंकज पितलिया कृष्णा माहेश्वरी सहित साथी उपस्थित थे।

# देवास में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर भाजपा की प्रेस वार्ता, विपक्ष पर तीखा प्रहार

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संशोधन प्रस्ताव के संसद में पारित नहीं होने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला कार्यालय देवास में मंगलवार को प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में सांसद एवं प्रदेश महामंत्री श्रीमती लता वानखेड़े, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव एवं विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार ने संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित किया।

सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने कहा कि यह विधेयक देश की आधी आबादी के सम्मान, अधिकार और राजनीतिक भागीदारी से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि संसद में जो हुआ, वह केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि महिलाओं की आकांक्षाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम है।

उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि महिला विरोधी गठबंधन ने इस ऐतिहासिक अवसर को बाधित कर अपनी वास्तविक मानसिकता उजागर कर दी है।

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देने का जो संकल्प लिया है, वह किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं पड़ेगा।

वानखेड़े ने यह भी जोड़ा कि उज्ज्वला योजना, जन-धन खाते, मातृत्व सुरक्षा योजनाएं और तीन तलाक जैसे फैसलों ने महिलाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव लाया है, जबकि विपक्ष केवल बयानबाजी तक सीमित रहा है।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों का इतिहास महिलाओं के अधिकारों के विरोध से भरा पड़ा है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष का यह रवैया दर्शाता है कि उनके लिए महिला सशक्तिकरण केवल एक चुनावी मुद्दा है, न कि वास्तविक प्रतिबद्धता।

डॉ. सेंधव ने कहा कि संसद में विधेयक को रोकना लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को बाधित करने जैसा है।

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने हमेशा महिलाओं को 'शक्ति' मानकर नीतियां बनाई हैं और उन्हें समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि देश की महिलाएं इस घटनाक्रम को देख रही हैं और समय आने पर इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देंगी।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार ने कहा कि भाजपा सरकार ने कहा भी है और करके भी दिखाया है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त करना एक ऐतिहासिक पहल है, जिसे विपक्ष ने अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के कारण रोकने का प्रयास किया।

विधायक पवार ने कहा कि आज की नारी केवल मतदाता नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति बन चुकी है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश और देश में महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में जो कार्य हुए हैं, वे भाजपा की नीतियों का परिणाम हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में यह मुद्दा जन-जन तक जाएगा और महिलाएं स्वयं तय करेंगी कि उनके सशक्तिकरण के साथ कौन खड़ा है।

प्रेस वार्ता में नेताओं ने स्पष्ट किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का मुद्दा अब जन-आंदोलन का रूप लेगा। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं इस घटनाक्रम को समझ रही हैं और भविष्य में इसका असर चुनावों में भी दिखाई देगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री श्रीमती ललिता पुर्वया, भाजपा जिला महामंत्री राजेश यादव मनीष सोलंकी विजय सिंह पवार, जिला उपाध्यक्ष महेश चोहान, मनोरमा सोलंकी, मोनिका शर्मा थी।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार एवं सह मीडिया प्रभारी प्रतीक सोलंकी द्वारा किया गया।

# देवास में अवैध शराब पर कड़ा शिकंजाः होटल-ढाबों पर सख्त कार्रवाई, डायरी सिस्टम बंद

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अब निर्णायक प्रहार शुरू हो गया है। आबकारी विभाग ने होटल, ढाबों और संदिग्ध ठिकानों पर सघन कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने की मुहिम तेज कर दी है।

आबकारी विभाग के उप निरीक्षक प्रेम यादव ने बताया कि जिला आबकारी अधिकारी मनीष खरे उच्च अधिकारियों के निर्देश एवं कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में पूरे जिले में लगातार दबिश दी जा रही है। विशेष रूप से उन स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां से लंबे समय से अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा न केवल अवैध शराब जब्त की जा रही है, बल्कि तथाकथित डायरी सिस्टम÷ को भी पूरी तरह समाप्त करने की कार्रवाई की जा रही है, जिसके जरिए अवैध कारोबार को संरक्षण मिलने की आशंका रहती थी।

लगातार मिल रही शिकायतों के चलते अब ढाबा संचालकों पर भी सख्ती बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी होटल या ढाबे पर बैठाकर शराब पिलाना सख्त प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई के साथ लाइसेंस निरस्तीकरण और प्रतिष्ठान सील करने जैसी कार्रवाई भी की जाएगी।

आबकारी विभाग की टीम द्वारा हाल ही में कई होटल और ढाबों पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई है। साथ ही संबंधित संचालकों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

जिला प्रशासन ने साफ संकेत दिए हैं कि अवैध शराब के कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति या संस्था को बख्शा नहीं जाएगा। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से अवैध कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

प्रशासन की अपील- जिला आबकारी विभाग ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध शराब का निर्माण, भंडारण या बिक्री हो रही हो, तो इसकी सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

## संतोष जादमें बने आगर मालवा के अजाक्स जिला अध्यक्ष

**सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) ने आगर मालवा जिले के लिए नए जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की है। जारी आदेश के अनुसार संतोष जादमे (शिक्षक), शासकीय संदीपनी उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुसनेर को अजाक्स का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद जिले में संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि श्री जादमे के नेतृत्व में अजाक्स संगठन को मजबूती मिलेगी और कर्मचारियों के हितों की प्रभावी रूप से रक्षा हो सकेगी। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष संतोष जादमे ने कहा कि वे संगठन की नीतियों के अनुरूप कार्य करते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अधिकारी-कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने और सभी सदस्यों को साथ लेकर चलने का प्रयास करेंगे। जिले के विभिन्न पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जादमे को बधाई दी है और उनके सफल कार्यकाल की कामना की है। जादमे को अजाक्स जिला अध्यक्ष आगर मालवा नियुक्त किये जाने पर अजाक्स जिला आगर मालवा परिवार की ओर से पूर्व प्रांताध्यक्ष एवं संरक्षक जे.एन कंसोटिया, प्रांताध्यक्ष संतोष वर्मा आईएएस , कार्यवाहक प्रांत अध्यक्ष एस एल सूर्यवंशी तथा प्रांतीय महासचिव महेश बिरोलिया का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

# आंगनबाड़ी केंद्र देहपुर पर पोषण पखवाडा, नारी शक्ति कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** महिला एवं बाल विकास विभाग जिला नीमच के दिशा निर्देश पर दिनांक 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक पोषण पखवाडा और 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को महिला बाल विकास परियोजना रतनगढ़ सेक्टर रतनगढ़ के अंतर्गत आने वाले आंगनबाड़ी केंद्र देहपुर क्रमांक 1, 2 पर पोषण पखवाडा और नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती सीमा सोलंकी ने गर्भवती एवं धात्री माताओ को आमंत्रित कर 0 से 3 वर्ष के बच्चों के मानसिक विकास के लिए आरंभिक उत्तेजना और देखभाल, 3 से 6 वर्ष के बच्चों को खेल आधारित शिक्षा देना जीवन के पहले 6 वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास करना सामूहिक सहभागिता एवं आंगनवाड़ियों के लिए सामुदायिक समर्थन प्राप्त करना बच्चो के पोषण आहार को सही मात्रा में और सही समय व सही तरीके से सेवन करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एवं सामुदायिक गतिविधि अंतर्गत अन्नप्राशन का आयोजन भी किया गया

इस अवसर पर आंगनवाडी केंद्र पर आंगनवाडी कार्यकर्ता दुर्गा गुर्जर सुमित्रा जटिया सहित ग्राम की महिलाएं उपस्थित रही।

# मेवाड़ा माली समाज का 16वां सामूहिक विवाह सम्मेलन हर्षोल्लास से संपन्नः 6 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** मेवाड़ा माली समाज, बड़नगर के तत्वावधान में आज 21 अप्रैल 2026 को समाज का 16वां सामूहिक विवाह सम्मेलन शंकर बावड़ी परिसर में पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक सम्मेलन में समाज के 6 जोड़ों ने सादगी और अटूट एकता के संकल्प के साथ अपने दांपत्य जीवन का शुभारंभ किया।

अतिथियों का स्वागत- समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजय जी जलिया (प्रदेश अध्यक्ष, संयुक्त माली समाज राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड) एवं विशेष अतिथि के रूप में बड़नगर विधायक जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या उपस्थित रहे। समाज के वरिष्ठ जनों ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।

समाज एवं समिति के प्रमुख पदाधिकारी÷

सम्मेलन की सफलता में समाज के इन प्रमुख स्तंभों का विशेष योगदान रहा- मुख्य पदाधिकारी÷ नारायण जी खटया (अध्यक्ष), जगदीश जी धुसरिया (कोषाध्यक्ष), नानुराम जी पारोलिया (सचिव)।

ट्रस्टी गण÷ जगरनाथ जी खटया, रवि हिंडोलिया, लोकेन्द्र धरावनिया।

सामूहिक विवाह समिति÷ किशोर जी असावरा (अध्यक्ष), प्रवीण तलाव (कोषाध्यक्ष), हेमन्त बड़ोदिया (सचिव), सुनील रीछा (प्रचार-प्रसार मंत्री), रमेश बड़ोदिया (मंच प्रभारी)।

महिला मण्डल÷ राजूबाई असावरा (अध्यक्ष) एवं नंदीबाई बड़ोदिया (प्रमुख)।

विभिन्न समितियों की सेवा÷

खाद्यान्न एवं भोजन समिति÷ केशरीमल रीछा, शिवनारायण धरावनिया, कन्हैयालाल बड़ोदिया, दीपक तलाव, चिन्तामण घुसुरिया।

व्यवस्था एवं जल समिति÷ दिनेश टॉक, महेश बड़ोदिया, बाबूलाल टॉक।

परामर्श एवं मार्गदर्शक÷ गोविन्द जी रीछा, मोतीलाल जी असावरा, सागरमल जी बगेरवाल, भागीरथ जी दुनिया।

प्रमुख नेतृत्व का प्रभावशाली वक्तव्य÷

समाज अध्यक्ष श्री नारायण जी खटया एवं कोषाध्यक्ष श्री जगदीश जी धुसरिया ने समाज को कड़ा और स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि– समाज का वास्तविक उत्थान केवल बड़े आयोजनों से नहीं, बल्कि वैचारिक क्रांति और सामूहिक शक्ति से संभव है। यह 16वां सामूहिक विवाह सम्मेलन इस बात का प्रमाण है कि हमारा समाज अब दिखावे की राजनीति और फिजूलखर्ची से ऊपर उठकर, एकता के सूत्र में बंधकर आगे बढ़ रहा है। हम आने वाली पीढ़ी के लिए एक ऐसा मजबूत समाज छोड़कर जाएंगे, जो शिक्षित भी होगा और संगठित भी।

मीडिया प्रभारी का वक्तव्य- शिवसेना नगर अध्यक्ष एवं सम्मेलन के मीडिया प्रभारी संतोष बगेरवाल ने कहा कि– मेवाड़ा माली समाज का यह गौरवशाली संकल्प अटूट है। सामूहिक मंच से विवाह करना किसी मजबूरी का नहीं, बल्कि हमारी प्रगतिशील सोच और स्वाभिमान का प्रतीक है। समाज की इस सेवा यात्रा में हर कदम पर हम साथ खड़े हैं।

सम्मेलन के अंत में सभी दानदाताओं, युवाओं और समाजजनों का आभार व्यक्त किया गया।

# थाना उन्हेल थाना प्रभारी संतोष कुमार चौहान के नेतृत्व में पुलिस की बड़ी कार्यवाही- एमडी ड्रग्स बेचने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

**उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला उज्जैन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक रंजन एवं नगर पुलिस अधीक्षक नागदा श्री विक्रम अहिरवार के मार्गदर्शन में थाना उन्हेल पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए एमडी ड्रग्स के साथ 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 20.04.2026 को थाना उन्हेल पुलिस द्वारा इंगोरिया चौपाटी पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान नागदा की ओर से आ रही एक बिना नंबर की टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल चालक पुलिस को देखकर वाहन मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा।

पुलिस कार्यवाही- पुलिस टीम द्वारा तत्परता दिखाते हुए संदिग्धों को नवादा चौपाटी के पास पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम मोहम्मद सोहेल पिता मोहम्मद अनवर, उम्र 34 वर्ष, निवासी बेगम बाग उज्जैन,रुबीना पति अजहर सैय्यद, उम्र 36 वर्ष, निवासी महिदपुर बताए। तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से एक बैग में रखी पॉलिथीन के अंदर 55.47 ग्राम एमडी ड्रग्स (भूरा रंग) बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 1,50,000 है,बाद आरोपियों के विरुद्ध थाना उन्हेल पर अपराध क्रमांक 129/2026 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है, जिससे ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

अपराधिक रिकॉर्ड- मुख्य आरोपी मोहम्मद सोहेल के विरुद्ध थाना महाकाल में पूर्व से 22 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

जप्ती का विवरण- अवैध मादक पदार्थ÷ एमडी ड्रग्स, कुल वजन÷ 55.47 ग्राम, अनुमानित कीमत÷ 1,50,000 रु, घटना में प्रयुक्त वाहन(मोटरसाइकिल)

सराहनीय भूमिका- इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष चौहान के नेतृत्व में– उनि. राजेश कलमी, सउनि नरेन्द्र भूरिया, प्र.आर. महेन्द्र मिश्रा, प्र.आर. रामेश्वर पटेल, आरक्षक संजीव नैन, कृपाशंकर, सतीश राठौर, महिला आरक्षक अंजली तथा क्राइम ब्रांच उज्जैन के स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

# खाचरोद में किसान कांग्रेस को मिला मजबूत नेतृत्व सुरपालसिंह बने ब्लॉक अध्यक्ष किसानों में उत्साह की लहर

**खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड।** उज्जैन के खाचरोद क्षेत्र में किसानों के हितों की आवाज को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में किसान कांग्रेस द्वारा संगठनात्मक मजबूती के तहत महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है खाचरोद ब्लॉक के लिए सुरपालसिंह को किसान कांग्रेस का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है इस नियुक्ति को लेकर क्षेत्र के किसानों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है सुरपालसिंह लंबे समय से क्षेत्र में किसान हितों सामाजिक सरोकारों और जन समस्याओं को लेकर सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी मजबूत पकड़ और किसानों के बीच उनकी लोकप्रियता को देखते हुए संगठन ने यह अहम जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है उनके नेतृत्व से संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष सुरपालसिंह ने अपनी नियुक्ति पर शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वे खाचरोद क्षेत्र के किसानों की समस्याओं जैसे फसल का उचित मूल्य खाद-बीज की उपलब्धता सिंचाई की व्यवस्था और सरकारी योजनाओं का लाभ को प्राथमिकता से उठाएंगे और संबंधित विभागों तक मजबूती से पहुंचाएंगे उन्होंने यह भी कहा कि वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की किसान हितैषी नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य करेंगे और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाएंगे इनका लक्ष्य रहेगा कि हर किसान तक संगठन की आवाज पहुंचे और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि सुरपालसिंह के नेतृत्व में किसान कांग्रेस खाचरोद में और अधिक सशक्त होगी तथा किसानों के हक और अधिकारों के लिए प्रभावी रूप से कार्य करेगी साथ ही संगठन की गतिविधियों में तेजी आएगी और किसानों को एक मजबूत मंच मिलेगा इस अवसर पर सभी किसान कि लहर छाई हुई है।

# शंकराचार्य ने भारत को केवल व्यवस्थित नहीं अपितु अखंड धारा के रूप में प्रवाहित कियाः अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरामन

**खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, मध्य प्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य के प्रकटोत्सव वैशाख शुक्ल पंचमी के उपलक्ष्य में एकात्म पर्व में आयोजित संवाद सत्र में भारत सरकार के अति सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरामन ने अपने वक्तव्य में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य के अद्वितीय योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य ने भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं को न केवल व्यवस्थित किया, बल्कि उन्हें एक अखंड धारा के रूप में प्रवाहित भी किया। मंदिर परंपरा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि शंकराचार्य ने दिशाओं के आधार पर नहीं, बल्कि स्थानों की उपयोगिता के अनुसार मंदिर व्यवस्था विकसित की। उन्होंने ऐसी पूजा-पद्धतियाँ स्थापित कीं, जो आज भी पूरे देश में समान रूप से प्रचलित हैं। उदाहरण स्वरूप, उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर की प्रातःकालीन भस्म आरती और तिरुपति बालाजी की सुप्रभात सेवा आज भी उसी अनुशासन और विधि का पालन करती हैं। वेंकटरामन ने इसे भारत की प्राचीन स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर की परंपरा बताया, जो सदियों से अक्षुण्ण बनी हुई है। 'चिन्मय मिशन की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा' सत्र में स्वामिनी विमलानंद सरस्वती,कोयम्बटूर ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने अद्वैत की समृद्ध परंपरा स्थापित की, जबकि स्वामी चिन्मयानंद ने उसे जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त कार्य किया। उन्होंने कहा कि आज देश में जब भी वेदांत की चर्चा होती है, तो उसका केंद्र अद्वैत ही होता है, और इसकी व्यापक स्वीकृति में चिन्मयानंद के प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अद्वैत कोई वाद नहीं है, क्योंकि वाद का प्रतिवाद होता है, जबकि अद्वैत एक निर्विवाद सत्य है। चिन्मयानंद जटिल सिद्धांतों को भी इतनी सरल भाषा में समझाते थे कि बच्चे भी उसे सहजता से समझ सकें।

स्वामी अद्वैतानंद ने चिन्मय मिशन के जनकल्याण कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत को केवल कृषि प्रधान देश कहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह 'ऋषि प्रधान देश' है।

# श्मशान भूमि पर कब्जा ! अतिक्रमण हटाने को लेकर उपसरपंच ने सौंपा ज्ञापन

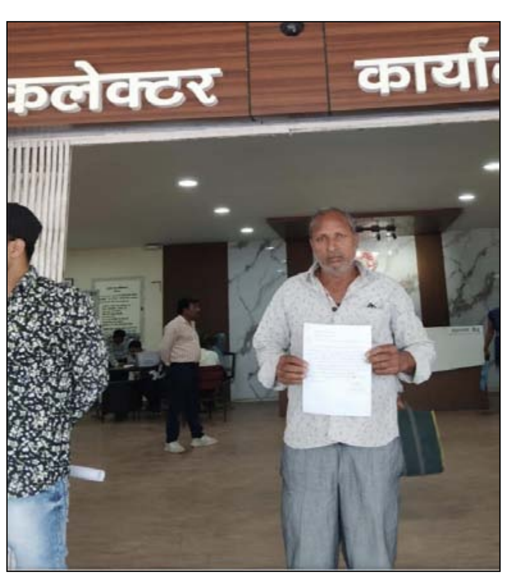


**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के ग्राम विशन्या में श्मशान भूमि पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्राम पंचायत की ओर से इस गंभीर समस्या को उठाते हुए कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की गई है। पंचायत प्रतिनिधियों के अनुसार गांव के श्मशान परिसर की सर्वे नंबर 155 और 158 की भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। इतना ही नहीं, अतिक्रमण करने वाले उसी परिसर में पशु भी बांध रहे हैं, जिससे स्थल की पवित्रता और व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

पंचायत का कहना है कि इस मामले में पहले भी तहसील कार्यालय द्वारा दो बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं और बेदखली के आदेश भी पारित हुए, लेकिन इसके बावजूद अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इससे ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल है और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

वहीं शासन के निर्देशानुसार दिसंबर 2026 तक श्मशान परिसर में तार फेंसिंग, वृक्षारोपण और अन्य विकास कार्य किए जाने हैं, लेकिन अतिक्रमण के चलते ये कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्राम पंचायत विशन्या के उपसरपंच पदम सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाकर श्मशान भूमि को मुक्त कराया जाए, ताकि विकास कार्य समय पर पूरे हो सकें और ग्रामीणों को आवश्यक सुविधाएं मिल सकें।

# नगर परिषद के नवीन भवन पर अध्यक्ष एवं सीएमओ ने लगाए पक्षियों के लिए सकोरे

**सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए विभिन्न स्थानों पर मिट्टी के सकोरे (जलपात्र) लगाए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में नगर परिषद सुसनेर के नवीन भवन पर भी नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी एवं सीएमओ ओपी नागर द्वारा नगर परिषद सुसनेर के नवीन भवन की छत की दीवार, बालकनी और पेड़ों पर पानी के सकोरे भरकर रखे गए व पक्षियों के खाने के लिए दाना रखा गया। नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने नगरवासियों से भी आग्रह किया कि वो भी मूकबधिर पक्षियों को इस भीषण गर्मी में उनकी प्यास बुझाने के लिए अपने अपने घरों पर पानी के सकोरे लगाए। वहीं सीएमओ ओपी नागर ने बताया कि यह पहल पक्षियों को भीषण गर्मी से बचाने और उन्हें सुरक्षित रखने के लिए की जा रही है। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि युगलकिशोर परमार एवं नगर परिषद के कर्मचारी उपस्थित थे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

# विक्रम कीर्ति मंदिर का कायाकल्प शुरू, 7.95 करोड़ से बदलेगा स्वरूप

**फाल्स सीलिंग हटाकर डिस्मेंटल पूरा, फाइनल ड्राइंग का इंतजार, आधुनिक ऑडिटोरियम, पार्किंग और सिक्का म्यूजियम की तैयारी**

**उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच शहर के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र विक्रम कीर्ति मंदिर का पुनर्विकास कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। करीब 7.95 करोड़ रुपए की लागत से इस ऐतिहासिक परिसर को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर नया रूप दिया जा रहा है।

ठेकेदार चयन के बाद पिछले डेढ़ माह से काम जारी है और अब तक ऑडिटोरियम सहित भवनों में डिस्मेंटल का काम पूरा कर लिया गया है। फिलहाल दिल्ली की कंपनी रिद्धि कंस्ट्रक्शन द्वारा आगे की प्रक्रिया के लिए फाइनल ड्राइंग का इंतजार किया जा रहा है, जिसमें स्मार्ट सिटी द्वारा कुछ बदलाव किए जा रहे हैं।

ऑडिटोरियम बनेगा हाईटेक- पुनर्विकास के तहत सबसे बड़ा बदलाव ऑडिटोरियम में देखने को मिलेगा। वर्षों पुरानी जर्जर फाल्स सीलिंग को हटाया जा चुका है। यहां अब नई आरामदायक सीटिंग व्यवस्था, आधुनिक साउंड सिस्टम, एडवांस लाइटिंग, डिजिटल प्रोजेक्टर और एचवीएसी सिस्टम लगाए जाएंगे।

इसके साथ ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सीसीटीवी कैमरे और अत्याधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम भी स्थापित किए जाएंगे, जिससे बड़े आयोजनों के लिए यह स्थल पूरी तरह सक्षम बन सके।

ओपन थिएटर की जगह बनेगी पार्किंग- परिसर में मौजूद जर्जर ओपन थिएटर को हटाकर अब वहां आधुनिक सतह पार्किंग बनाई जाएगी। इसमें पक्की पार्किंग, जल निकासी और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था होगी, जिससे कार्यक्रमों के दौरान पार्किंग की समस्या काफी हद तक खत्म होगी।

बांगड़ बाल भवन का नया रूप- परिसर स्थित बांगड़ बाल भवन का भी कायाकल्प शुरू हो गया है। भवन की दीवारों पर नया प्लास्टर किया जा रहा है और संरचना को मजबूत बनाया जा रहा है।

इस भवन को इंटेरेक्टिव सिक्का म्यूजियम में परिवर्तित करने की योजना है, जिससे यह स्थान ऐतिहासिक और शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र बन सकेगा।

सौंदर्यीकरण और लैंडस्केपिंग भी शामिल- परियोजना के तहत परिसर के बाहरी हिस्सों में सौंदर्यीकरण, फर्शबंदी और लैंडस्केपिंग का कार्य भी किया जाएगा। वर्तमान में यहां ब्रिक वर्क का काम जारी है।

अधिकारियों का कहना - साइट इंजीनियर सोनू राठौर के अनुसार, डिस्मेंटल का काम पूरा हो चुका है। अब स्मार्ट सिटी की ओर से फाइनल ड्राइंग का इंतजार है। बांगड़ बाल भवन में ब्रिक वर्क जारी है।

सांस्कृतिक और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा- काम पूरा होने के बाद विक्रम कीर्ति मंदिर न केवल सांस्कृतिक गतिविधियों का बड़ा केंद्र बनेगा, बल्कि उज्जैन में पर्यटन को भी नई दिशा देगा। सिंहस्थ 2028 के मद्देनज़र यह परियोजना शहर की पहचान को और मजबूत करने वाली साबित होगी।

## रात 3 तक चला रेस्क्यू, दोनों छात्रों के निकाले शव

**50 फीट खदान में डूबे थे, 7 दोस्तों के साथ गए थे नहाने**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पानी से भरी खदान में 9 छात्र नहाने के लिए पहुंचे थे। गहराई में जाने पर दो छात्र डूब गए थे। दोस्तों की सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ टीम पहुंची थी। सोमवार मंगलवार रात 3.15 बजे तक चले रेस्क्यू के दौरान दोनों छात्रों के शव 50 से 55 फीट की गहराई से बाहर निकाल लिए गए।

नागझिरी थाना पुलिस को सोमवार शाम 4.30 बजे के लगभग सूचना मिली थी कि ग्राम करौंदिया स्थित खदान में दो छात्र डूब गए हैं। 9 छात्र नहाने के लिए पहुंचे थे सात किनारे पर ही थे जो बाहर आ गए हैं। दो छात्रों के डूबने की सूचना पर पुलिस करौंदिया पहुंची थी। दोनों को बाहर निकालने के लिए होमगार्ड एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया था। शाम 5 बजे के लगभग रेस्क्यू की शुरुआत हुई। लेकिन खदान की गहराई अधिक होने पर एसडीआरएफ जवानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गहराई में छात्रों का पता लगाने के लिए अंडर वॉटर कैमरा मंगवाया गया। इस दौरान सामने आया कि दोनों छात्र करीब 50 से 55 फीट गहराई में डूबे है। दोनों के शव बाहर निकालने के लिए डीप डायवर्स बुलाए गए। रात 10.15 बजे के लगभग एक छात्र शुभम पिता किरण जाटव का शव निकाल लिया गया। दूसरे के शव को निकालने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। रेस्क्यू ऑपरेशन अंधेरा होने पर भी नहीं रोका गया। रात 3.15 बजे के लगभग दूसरे छात्र अनस पिता हमीद खान का शव भी एसडीआरएफ जवानों ने बाहर निकाल लिया। अनस अशोक नगर का रहने वाला था, शुभम किशनपुरा का निवासी था। मंगलवार सुबह पुलिस ने दोनों छात्रों के पोस्टमार्टम करवाए। इस दौरान सामने आया कि शुभम परिवार का एकलौता पुत्र था। पिता पेंटरी का काम करते हैं। अनस की तीन बहनें और एक भाई है। पिता ड्रायवरी करते हैं। पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंपे गए हैं।

### 2 दिन पहले भी खदान पर गए थे सभी

बताया जा रहा है कि शुभम और अनस अपने 7 दोस्तों के साथ ई-रिक्शा में सवार होकर करौंदिया स्थित खदान नहाने पहुंचे थे। सभी छात्रों ने कक्षा 11वीं पास कर 12वीं में प्रवेश लिया था। घर से कोचिंग पर जाने का बोलकर निकले थे लेकिन खदान पर पहुंच गए थे। जानकारी यह भी सामने आई है कि सभी छात्र दो दिन पहले भी करौंदिया खदान पहुंचे थे जहां उन्होंने फोटोग्राफी कर रील भी बनाई थी। गर्मी का मौसम होने पर दोबारा नहाने के लिए शहर से दूर करौंदिया खदान पहुंच गए थे। सीएसपी श्वेता गुप्ता के अनुसार दोनों छात्रों के शव मिलने के बाद उनके दोस्तों से पूछताछ की जाएगी। फिलहाल नागझिरी पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

## कलेक्टर श्री सिंह द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मंगलवार को कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा कलेक्टर कार्यालय स्थित प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई।

गायत्री नगर तराना रोड़ निवासी सावित्री परिहार ने आवेदन दिया कि उन्हें काफी वर्षों से वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त हो रही है लेकिन कुछ माह से पेंशन आना बंद हो गई है। प्रार्थी आर्थिक रुप से अत्यंत कमजोर है अतः उसे पेंशन राशि दिलवाई जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने इस पर संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण को जांच कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। संयुक्त संचालक द्वारा जब जांच की गई तो पता चला कि प्रार्थियां का ई-केवाईसी अपडेट नहीं किया गया था। इस वजह से खाते में पेंशन आना बंद हो गई थी। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रार्थियां का केवाईसी अपडेट करवाया गया। उन्हें आश्वासन दिया गया कि अगले माह से उनकी पेंशन पुनः प्रारंभ हो जाएगी। बड़नगर के ग्राम सरसाना निवासी राजेन्द्र कुमार मेहता ने आवेदन दिया कि सरसाना में शासकीय भूमि और तालाब की भूमि पर मिट्टी का भराव कर अवैध रुप से मकान का निर्माण किया जा रहा है।

## महिदपुर जनपद की ग्राम पंचायत लसुड़ियामांसूर में जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए गए

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** वर्ष 2025 में मनरेगा योजना के अंतर्गत भेरूलाल शर्मा जी के खेत के समीप 7.76 लाख की लागत से एक चेकडेम का निर्माण किया गया था। अब वर्ष 2026 के जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीणों के जनसहयोग से इस चेकडेम का सौंदर्यीकरण एवं रखरखाव कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

कार्य में शामिल प्रमुख गतिविधियाँ - चेकडेम की साफ-सफाई, गाद निकासी (डिसिल्टिंग), दीवार लेखन एवं जागरूकता संदेश आदि।

परिणाम बेहद उत्साहजनक रहे- आसपास के कुओं के जलस्तर में उल्लेखनीय वृद्धि, वर्षा जल का बेहतर संचयन एवं भूजल रिचार्ज, सिंचाई सुविधा में सुधार हुआ।

किसानों को सीधा लाभ - इस सफल अभियान के फलस्वरूप कृषक भेरूलाल शर्मा, पेमा जी, राजाराम, संजय, नागूलाल ,सिद्धु एवं शिव के निजी कूपों का रिचार्ज हुआ है। अब इन किसानों की फसल उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ-साथ उनकी आय में भी सकारात्मक वृद्धि होने की उम्मीद है।

यह कार्य ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास, जनसहयोग तथा प्रशासन के समन्वय का सुंदर उदाहरण है। जलगंगा संवर्धन अभियान 2026 के माध्यम से महिदपुर क्षेत्र में जल संरक्षण की मुहिम को नई गति मिल रही है।

## 46 करोड़ की लागत से बन रहा आईटी पार्क

**प्रोजेक्ट से 2 हजार नौकरियों की उम्मीद- सिंहस्थ 2028 से पहले होगा पूरा, शहर बनेगा आईटी हब**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** धार्मिक और पर्यटन नगरी उज्जैन अब तकनीकी विकास की दिशा में भी तेज कदम बढ़ा रही है। इंदौर रोड स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के सामने बन रहा आईटी पार्क अब जमीन पर आकार लेता साफ दिखाई देने लगा है। निर्माण कार्य में आई तेजी के चलते बिल्डिंग की झलक उभरकर सामने आ रही है, जिससे यह साफ है कि शहर का आईटी हब बनने का सपना अब दूर नहीं।

करीब 46 करोड़ रुपए की लागत से पहले चरण में इस आईटी पार्क का निर्माण किया जा रहा है, जिसे मप्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के माध्यम से विकसित किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमिपूजन 21 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया गया था। उस दौरान उन्होंने इसे उज्जैन के विकास का मील का पत्थर बताया था। आईटी पार्क का निर्माण 2.161 हेक्टेयर भूमि पर किया जा रहा है, जिसमें लगभग 11,239 वर्गमीटर क्षेत्र में आधुनिक बिल्डिंग तैयार होगी। करीब 31.7 मीटर ऊंची इस इमारत में हर फ्लोर पर टॉयलेट, कैफेटेरिया, पीने के पानी की सुविधा, लिफ्ट और हाईटेक ऑफिस स्पेस जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। डिजाइन को आकर्षक और आधुनिक बनाने के लिए केंटिलीवर छज्जे, वक्राकार रेखाएं और खास आर्किटेक्चरल पैटर्न का उपयोग किया जा रहा है। आईटी पार्क के शुरू होने के बाद यहां बड़ी आईटी कंपनियों और स्टार्टअप्स के ऑफिस खुलने की संभावना है, जिससे करीब 2 हजार रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इससे स्थानीय युवाओं को अपने ही शहर में नौकरी के बेहतर अवसर मिलेंगे और उन्हें अन्य शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। साथ ही, शहर की आर्थिक गतिविधियों में भी विविधता आएगी और उज्जैन की पहचान धार्मिक नगरी के साथ-साथ आईटी नगरी के रूप में भी स्थापित होगी। खास बात यह है कि सिंहस्थ 2028 से पहले इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे आने वाले समय में उज्जैन विकास के नए आयाम छूता नजर आएगा।

## शहर के अधिकतर पेट्रोल पंपों पर मूलभूत सुविधाएँ गायब, उपभोक्ता परेशान

**हवा-पानी-शौचालय देने की बाध्यता कागजों में - निरीक्षण भी महज औपचारिकता**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर के अधिकांश पेट्रोल पंप उपभोक्ताओं को मिलने वाली अनिवार्य सुविधाओं की अनदेखी करते नजर आ रहे हैं। नियमों के अनुसार हर पेट्रोल पंप पर मुफ्त हवा, पीने का स्वच्छ पानी और साफ-सुथरा शौचालय उपलब्ध कराना आवश्यक है, लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। शहर में सैकड़ों वाहन चालक रोजाना पेट्रोल पंपों पर पहुँचते हैं, पर उनके लिए हवा भरवाने से लेकर पानी और शौचालय तक की कोई व्यवस्था ठीक ढंग से मौजूद नहीं रहती।

शहर के अधिकतर पेट्रोल पंपों पर हवा मशीनें तो लगी हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाला कोई कर्मचारी ही नहीं मिलता। कई पंपों पर तो कंप्रेशर तक खराब पड़े रहते हैं। हैरानी की बात यह है कि 50 से अधिक पेट्रोल पंप ऐसे हैं जहां हवा भरने का उपकरण तक मौजूद नहीं है। दूसरी तरफ पंपों के बाहर बैठे पंक्चर वाले हवा भरने के बदले 10 रुपये तक वसूलते हैं और पंप कर्मी इस पर कोई रोक नहीं लगाते।

पीने का पानी और शौचालय भी बंद या गंदे- लाइसेंस नियमों में साफ लिखा है कि उपभोक्ताओं के लिए पीने का पानी और शौचालय अनिवार्य हैं, लेकिन शहर में अधिकांश पंपों पर न तो पानी उपलब्ध है और न ही उपयोग लायक शौचालय। कई जगह वाटर कूलर बंद पड़े हैं, वहीं कई पंपों के शौचालयों पर ताला लटका रहता है। जिन जगहों पर शौचालय खुले भी हैं, वहाँ गंदगी इतनी है कि उपयोग करना मुश्किल हो जाता है।

नापतौल विभाग की जांच भी औपचारिकता - उपभोक्ता जब शिकायत लेकर पंप संचालकों के पास पहुँचते हैं तो उन्हें टालमटोल जवाब मिलता है। वहीं नापतौल विभाग और अन्य निरीक्षण टीमें भी औचक जांच के नाम पर सिर्फ औपचारिकताएँ पूरी कर लौट जाती हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि कई पंप मालिक विभागीय अधिकारियों से 'सेटिंग' कर सभी सुविधाओं का कागज़ी प्रमाणपत्र ले लेते हैं, जबकि जमीन पर कुछ भी उपलब्ध नहीं रहता।

400 से अधिक पंप, पर सुविधाएँ गायब- जिले में लगभग 400 से अधिक पेट्रोल पंप संचालित हैं, लेकिन उपभोक्ता सेवाओं की स्थिति अधिकांश जगह बेहद खराब है। प्रशासन और विभागीय अधिकारियों के ढीले रवैये के कारण पंप संचालक भी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे।

### एक नजर उपभोक्ताओं के अधिकारों पर

- पेट्रोल पंप पर मुफ्त हवा भरवाने की सुविधा अनिवार्य
- स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध कराना लाइसेंस की शर्त
- साफ और खुला शौचालय रखना पंप की जिम्मेदारी
- सुविधा उपलब्ध न होने पर उपभोक्ता शिकायत कर सकते हैं

## महाकाल की शरण में बॉलीवुड सितारे.. अनुपम खेर और शुभांगी दत्त ने की भोग आरती में पूजा

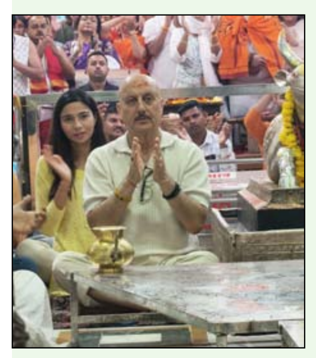

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार सुबह बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर और फिल्म अभिनेत्री शुभांगी दत्त ने प्रातःकालीन भोग आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। आरती के दौरान दोनों कलाकारों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। दर्शन उपरांत अनुपम खेर ने मंदिर के सभा मंडप में विराजित भगवान वीरभद्र, चंद्रादित्येश्वर महादेव एवं शंकराचार्य जी का भी श्रद्धा-भाव से पूजन किया। मंदिर में उनकी मौजूदगी के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। दर्शन के बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से दोनों कलाकारों का पारंपरिक रूप से स्वागत एवं सम्मान किया गया। महाकाल के दरबार में देश-विदेश से श्रद्धालु और कई प्रसिद्ध हस्तियां लगातार पहुंच रही हैं, जिससे उज्जैन की धार्मिक महत्ता और आस्था का केंद्र और भी सशक्त होता नजर आ रहा है।

## स्वास्थ्य विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय संयुक्त बैठक सम्पन्न

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तर पर संयुक्त बैठक का आयोजन गत दिवस कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी में किया गया। बैठक में डॉ. अशोक कुमार पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्री बृजेश त्रिपाठी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, डॉ. जितेन्द्र राजपूत जिला स्वास्थ्य अधिकारी-01, डॉ. मंजूषा पिप्पल जिला स्वास्थ्य अधिकारी-02, डॉ. अरूण कुशवाह जिला क्षय अधिकारी, समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी, समस्त परियोजना अधिकारी, स्वास्थ्य संस्था प्रभारी, श्री मनीष भद्रावले जिला कार्यक्रम प्रबंधक, सुश्री परधिन्दर बग्गा जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अधिकारी, समस्त बी.पी.एम., बी.सी.एम., पब्लिक हेल्थ मैनेजर सहित विभिन्न अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए। बैठक में निर्देश दिए गए कि प्रतिमाह दिनांक 9 व 25 तारीख को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान स्वास्थ्य शिविरों में गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं एवं जांच प्रदान की जाएं तथा हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को भी विशेष रूप से शामिल कर उनका पूर्ण उपचार, देखरेख व प्रबंधन किया जाए।

## नई विकसित कॉलोनियों में पुलिस गश्त नहीं... सुरक्षा का बोझ रहवासियों पर

**कैमरे, चौकीदार, सफाई तक का खर्च कॉलोनी वाले खुद उठा रहे - आए दिन होती है दो दराज की कॉलोनियों में चोरियां**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में तेजी से विकसित हो रही नई कॉलोनियों में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से लचर पड़ती जा रही है। दूर-दराज इलाकों में बनी कई कॉलोनियों में पुलिस गश्त न होने से चोरी, संदिग्ध गतिविधियों और असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ रही है।

वैसे तो निगरानी के लिए शहर में लगभग 700 से अधिक कैमरे लगे होने के बावजूद नई कॉलोनियों में घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा। सीसीटीवी फुटेज के भरोसे ही पुलिस कार्रवाई करने का दावा करती है, लेकिन रात्रिकालीन गश्त जैसी बुनियादी जिम्मेदारी नहीं निभा पा रही है। जिन कॉलोनियों में कैमरे नहीं लगे, वहां हालात और खराब हैं। इन इलाकों में पुलिस की उपस्थिति लगभग नाममात्र मानी जा रही है।

रहवासी उठा रहे सुरक्षा और सफाई का खर्च- कई नई कॉलोनियों में सुरक्षा के लिए रहवासियों ने खुद सुरक्षा गार्ड तैनात कर रखे हैं। कुछ कॉलोनियों में 'तीसरी आँख' यानी सीसीटीवी सिस्टम रहवासियों की ही मेहनत और धन से संचालित हो रहा है। सफाई व्यवस्था के लिए भी कॉलोनियों ने निजी कामगार लगाए हैं। इन सभी व्यवस्थाओं का खर्च कॉलोनी के लोग स्वयं वहन कर रहे हैं, जबकि पुलिस का सहयोग न के बराबर है।

पहले होती थी गश्त, अब सन्नाटा- इंदौर रोड़, देवास रोड़, मक्सी रोड़, आगर रोड़ व एमआर-5 मार्ग सहित दो दराज की अन्य कॉलोनियों के रहवासियों के अनुसार कुछ वर्ष पहले रात में नियमित गश्त होती थी। पुलिस की सिटी की आवाज़ें सुनकर लोग आश्वस्त रहते थे। लेकिन अब यह व्यवस्था पूरी तरह बंद हो चुकी है। नतीजतन अपराधियों को खुली छूट मिल गई है और वे बिना डर के वारदातें अंजाम दे रहे हैं।

### अभी यह हालात, इनकी आवश्यकता

निजी सिक्योरिटी गार्ड और कैमरे कॉलोनी वालों के पैसों से

सफाई स्टाफ भी निजी रूप से नियुक्त

पुलिस गश्त और बीट अधिकारी की अनिवार्य तैनाती की मांग

रात्री गश्त शुरू करने और कॉलोनी स्तर पर पुलिस संवाद बढ़ाने की आवश्यकता

## इंदौर रोड पर विवाद देख रहे युवक पर हमला

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** रास्ते में हो रहे विवाद के बीच से निकल कर देखने के लिए रुके बाइक सवार युवक पर पीछे से अज्ञात लोगों ने लाठियों से हमला कर दिया। सिर में चोट लगने पर युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। शास्त्रीनगर में रहने वाला नीरज पिता पूनमचंद पाटीदार 34 साल रात में पंथपिपलई शादी में शामिल होने गया था। जहां से देर रात बाइक से वापस लौट रहा था। शनि मंदिर के समीप सड़क पर कुछ लोगों का विवाद हो रहा था। नीरज अपनी बाइक लेकर वहां से निकला और रुक कर देखने लगा। उसी दौरान विवाद करने वाले अज्ञात लोगों ने पीछे से नीरज पर लाठियों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल हुआ नीरज गिर पड़ा। हमला करने वाले मौके से भाग निकले। लोगों की मदद से घायल नीरज को अस्पताल पहुंचाया गया। मामले में घायल युवक की जानकारी नानाखेड़ा थाना पुलिस को मिली तो बयान दर्ज किए गए। वहीं अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। विवाद के एक अन्य मामले में उण्डासा की रहने वाली कृष्णाबाई पति धर्मेन्द्र चंदेल पर पड़ोस में रहने वाले वीरा, उसकी बहन बुलबुल और मां ने ईंट से हमला कर दिया। कृष्णाबाई ने बताया कि दिन में बच्चों के बीच विवाद हुआ था। शाम को पति के आने पर वीरा के परिवार को समझाने पहुंचे थे। उस वक्त मामला शांत हो गया था। कुछ देर बाद वीरा अपनी बहन और मां के साथ उनके घर आया और हमला कर दिया।

## बारिश से पहले का समय महत्वपूर्ण है निर्माण के आवश्यक कार्य इस समय में पूर्ण कर लें- संभागायुक्त

**संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने मंगलवार को सिंहस्थ 2028 के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान विभागों के माध्यम से कार्य प्रगति की जानकारी दी गई। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि शहर में निर्माणाधीन कार्यों की गति बढ़ाकर बारिश प्रारंभ होने के पहले आवश्यक कार्य पूर्ण करें। इसके बाद बारिश के दौरान जो कार्य किए जा सकते है, उन कार्यों को पूर्ण किया जाए। बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे।

सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत स्थायी निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक मंगलवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभागार में संभागायुक्त श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के दौरान उज्जैन स्मार्ट सिटी लि. और नगर निगम के माध्यम से किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। बैठक में स्मार्ट सिटी के माध्यम से विक्रम कीर्ति मंदिर संग्रहालय उन्नयन कार्य और कोठी पैलेस पर वीर भारत संग्रहालय में प्रचलित कार्य की जानकारी दी गई। बताया गया कि जून माह तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पहले जो कार्य के लिए टारगेट तय किए है वे पूर्ण कर लें।

बैठक में स्मार्ट सिटी के माध्यम से किए जा रहे महाकाल पार्किंग से चौबीस खंबा तक सड़क निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इस मार्ग को भी जून माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि श्रावण मास प्रारंभ होने के पहले महाकाल मंदिर की ओर जाने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग का कार्य पूर्ण किया जाए। इसी तरह रामघाट से झालरिया मठ तक सड़क निर्माण कार्य को लेकर संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। वर्तमान समय का उपयोग करते हुए कार्यों में तेजी लाएं। अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहकर निर्माणाधीन कार्यों की मॉनिटरिंग करें।

बैठक में नगर निगम के माध्यम से किए जा रहे प्रचलित विकास कार्यों की जानकारी दी गई। बताया गया कि कोयला फाटक से कंठाल चौराहे तक मार्ग चौड़ीकरण का कार्य प्रगतिरत है। मार्ग में नाली निर्माण, पोल शिफ्टिंग का कार्य नरेंद्र टॉकीज तिराहे तक किया जा चुका है। इसी तरह वीडी क्लॉथ मार्केट से छोटी शिप्रा पुलिया तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य में टंकी चौराहे से कमरी मार्ग तक के मार्ग में पाईप लाइन, पोल शिफ्टिंग कार्य प्रचलित है। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण कार्य स्थल पर अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर कार्य प्रगति की जानकारी प्रतिदिन लें। चौड़ीकरण कार्य में बारिश के पहले होने वाले सभी कार्य आवश्यक रूप से पूर्ण करना सुनिश्चित कर लें। जहां नाली निर्माण, पाइप लाईन और पोल शिफ्टिंग के कार्य हो गए है, वहां सड़क निर्माण का कार्य तेजी से पूर्ण करें।

## स्कूली बस और बाइक भिड़ंत में तीन घायल

**उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मंगलवार सुबह आगर रोड पर घट्टिया तहसील में जगोटी फंटे पर बाइक सवार तीन लोगों की स्कूली बस से भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में तीनों गंभीर घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। बस में स्कूली बच्चे सवार थे जो पूरी तरह से सुरक्षित हैं। घट्टिया थाना क्षेत्र के जगोटी फंटा पर सुबह स्कूली बस और बाइक में हुई भिड़ंत में मोहन नगर के रहने वाले कैलाश सिंह उनकी पत्नी सीमा बाई और छोटा भाई मांगीलाल घायल हुआ है। बताया जा रहा है कि भिड़ंत के बाद बाइक पर सवार तीनों बस के नीचे फंस गए। जिन्हें मौके पर मौजूद पुलिस कर्मी दीपक यादव ने तत्काल बाहर निकाला और एंबुलेंस बुलाकर उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना की जानकारी लगने पर घायलों के परिजन अस्पताल पहुंच गए थे उन्होंने बताया कि सुबह बाइक से अगर जाने के लिए निकले थे। दुर्घटना के दौरान बस में कार्मल स्कूल के बच्चे सवार थे, जो पूरी तरह से सुरक्षित है। मामले में पुलिस द्वारा जांच की बात कही गई है। दुर्घटना के बाद बस को स्कूल के लिए रवाना कर दिया गया था।